भीलवाड़ा, बुधवार, 30, अक्टूबर, 2024

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

नमस्ते राजस्थान

वर्ष : 09, अंक: 7 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

आंगनबाड़ी कार्मिकों को मिलेगा बकाया मानदेय

जयपुर।

दीपावली पर्व पर आंगनबाड़ी कार्मिकों के लिए खुश ख़बरी है। महिला बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने बताया कि निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएँ के समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि समस्त आंगनबाड़ी कार्मियों को नियमानुसार अविलम्ब मानदेय का भुगतान किया जाना सुनिश्चित कराए। उन्होंने बताया कि मानदेय कर्मियों के माह अक्टूबर, 2024 तक के मानदेय (केन्द्रांश व राज्यांश) भुगतान के लिए आदेश जारी कर एस.एन.ए, खाते में बजट लिमिट जारी कर दी गई है। निदेशालय, समेकित बाल विकास सेवाएँ के वित्तीय सलाहकार पदमचंद ने बताया कि मानदेय भुगतान के लिए 2 तरह के बिल बनाए जाते हैं। जिसमें (1) 100 प्रतिशत राज्य निधि से पे मैनेजर के माध्यम से - जिसके लिए पूरे वित्तीय वर्ष में मानदेय भुगतान के लिए पूल बजट में पर्याप्त राशि उपलब्ध होती है।

पैतृक गांव अटारी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भव्य स्वागत

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को अपने पैतृक गांव अटारी पहुंचे। उन्होंने लोक देवता घोड़े वाले बाबा तथा चामुंडा माता मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।
मुख्यमंत्री ने अटारी गांव में बड़े-बुजुर्गों से मिलकर आशीर्वाद लिया और हाल-चाल पूछ कर घर परिवार व खेती-बाड़ी की जानकारी ली। उन्होंने संपूर्ण गांव में पैदल परिक्रमा कर घर-घर जाकर लोगों से दीपावली की रामा-श्यामा की और बड़े बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री गांव में अपने पैतृक घर पहुंचे जहां अपनी मां के चरण छूकर आशीर्वाद लिया और कुशलक्षेम जानी।

देश में स्वास्थ्य क्षेत्र की 12 हजार 850 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ व शिलान्यास

आपणो स्वस्थ राजस्थान' बनाने की दिशा में राज्य सरकार अग्रसरः भजनलाल शर्मा

राजस्थान में 8 क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स का वर्चुअल शिलान्यास

जयपुर।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 9वें आयुर्वेद दिवस पर नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान से देश को स्वास्थ्य क्षेत्र संबंधी 12 हजार 850 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात दी। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष व इससे अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को अब 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज मिलेगा। कार्यक्रम में पीएम आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत राजस्थान में भी 8 क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स का वर्चुअल शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम से भरतपुर के आरबीएम अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।
प्रधानमंत्री ने इस दौरान देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक ताने-बाने की आत्मा 'सर्वे सन्तु निरामय' को आधार मानते हुए सबका साथ-सबका विकास की संकल्पना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र को विकसित करने के लिए अथक प्रयास किए गए हैं तथा आगामी

25 वर्षों में भी सुदृढ स्वास्थ्य क्षेत्र विकसित भारत का मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार विकसित व निरामय भारत के सपने को पूरा करने के लिए संकल्पित है।

'आयुष' देश के सर्वाधिक तीव्र गति से वृद्धि करने वाले सेक्टर में शामिल

मोदी ने कहा कि देश के नागरिक जितने स्वस्थ होंगे, देश की प्रगति की गति भी उतनी ही तेज होगी। इसी सोच के साथ केन्द्र सरकार की ओर से स्वास्थ्य क्षेत्र के कायाकल्प के लिए अनेक काम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में देश में आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा के साथ जोड़कर स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ा गया है। 150 से ज्यादा देश आयुर्वेद दिवस मना रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि आयुर्वेद के माध्यम से भारत पूरे विश्व में अपनी अनूठी पहचान बना रहा है। वर्तमान में 'आयुष' देश के सर्वाधिक तीव्र गति से वृद्धि करने वाले सेक्टर में शामिल हुआ है।

वृद्धजनों को मिलेगा निःशुल्क इलाज

प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अब 70 वर्ष और इससे अधिक के बुजुर्गों को 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज मिलेगा। इससे वे स्वाभिमान के साथ अपना जीवन जी सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीक के उपयोग पर भी जोर दे रही है। इसी का परिणाम है कि ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से 30 करोड़ लोग ऑनलाइन परामर्श ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में भारत मेडिकल एवं वैलनेस टूरिज्म के क्षेत्र में एक बड़े केन्द्र के रूप में देखा जा रहा है। आज योग, पंचकर्म सहित विभिन्न प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों से इलाज के लिए विश्वभर से लोग भारत आते हैं। ऐसे में, इस क्षेत्र से संबंधित विशेषज्ञों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि विशेषज्ञ इन अवसरों से न केवल खुद को आगे बढ़ाएं बल्कि मानवता की सेवा में भी योगदान दें।

निःशुल्क इलाज से प्रदेश में बड़ी संख्या में बुजुर्ग होंगे लाभान्वित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से देश में आयुर्वेद को आज एक नया मुकाम मिला है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें और इलाज का खर्च कम से कम हो। इसी सोच के साथ देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवरेज मिलने से निःशुल्क इलाज प्राप्त हो सकेगा। जिससे हमारे बुजुर्ग इलाज के लिए अब किसी पर निर्भर नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में बुजुर्गों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स के शिलान्यास से चिकित्सा सुविधाएं होंगी सुदृढ़

भजनलाल शर्मा ने कहा कि पीएम आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत आज प्रदेश में भरतपुर, धौलपुर, चूरू, बूंदी, चित्तौड़गढ़, सिरोही, करौली तथा हनुमानगढ़ में क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स का शिलान्यास किया गया है। इनकी स्थापना जिला अस्पताल व मेडिकल कॉलेजों में की जा रही है। उन्होंने कहा कि आईसीयू बैड, ऑक्सीजन, वेंटीलेशन, ऑपरेशन थियेटर सहित अन्य इमरजेंसी सुविधाओं से लैस इन ब्लॉक्स से प्रदेश में आपातकालीन चिकित्सकीय सुविधाएं सुदृढ होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और हर जरूरतमंद को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए 73 डे केयर पैकेज शामिल किए गए हैं। साथ ही।

कांग्रेस की फिर फजीहत, चुनाव आयोग ने दी नसीहत

-हरियाणा चुनाव में अनियमितता के आरोप खारिज

नई दिल्ली।

चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता के कांग्रेस के आरोपों को निराधार, गलत और तथ्यहीन बताकर खारिज कर दिया है। आयोग ने कांग्रेस पार्टी को चुनाव दर चुनाव निराधार आरोपों से दूर रहने के लिए भी लिखा है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने बीते एक साल के पांच ऐसे विशिष्ट मामलों का हवाला भी दिया है। आयोग ने इन मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी को बिना किसी सबूत के चुनावी कार्यों पर आदतन हमलों से बचना चाहिए। चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी को लिखे गए पत्र में 'सामान्य' संदेह का दावा कर हवा बनाने का आरोप लगाया। इस संदर्भ में आयोग ने कांग्रेस को सख्ती के साथ भविष्य में निराधार आरोपों से बचने का परामर्श भी दिया है। इतना ही नहीं चुनाव आयोग ने कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों को मतदान और मतगणना के दिनों जैसे संवेदनशील समय पर निराधार और सनसनीखेज शिकायतों के प्रति आगाह किया। उन्हें चेताया है कि यह प्रयास कभी भी सच को

झूठ और झूठ को सच नहीं कर सकते।
चुनाव आयोग ने असुविधाजनक चुनावी नतीजों का सामना करने के बजाए अनावश्यक और अर्नगल प्रलाप के लिए पार्टी को आड़े हाथों लिया है। आयोग ने कांग्रेस से दृढ़ और ठोस कदम उठाने और तुच्छ शिकायतों की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का आग्रह किया।

1642 पन्नों के जवाब में सबूत के साथ दी नसीहत

कांग्रेस के आरोपों पर चुनाव आयोग ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को 1642 पन्नों का जवाब भेजा है। इनमें आयोग ने जरूरी सबूत भी दिए हैं। आयोग ने कहा है कि हरियाणा में चुनावी प्रक्रिया के किसी भी चरण में कोई भी गलती नहीं थी। सब कुछ कांग्रेस के उम्मीदवार या उनके एजेंटों के सामने हुआ था। इसके लिए पार्टी को अपने कार्यकर्ताओं को विश्वास में लेना था। इसके बाद भी आयोग ने कांग्रेस द्वारा की गई 26 विधानसभा क्षेत्रों के संबंध में निर्वाचन अधिकारियों ने गहन पुनर्सत्यापन किया, बिंदुवार शिकायतों का अवलोकन किया।1600 पन्नों के जवाब में इस बात के भी सबूत दिए गए हैं कि कांग्रेस उम्मीदवारों के अधिकृत प्रतिनिधि सभी चरणों में मौजूद थे, जिसमें ईवीएम की बैटरी चालू करने के समय और उसके बाद लगातार 7-8 दिनों तक गिनती खत्म होने तक का समय शामिल है।

सेना की बढ़ी ताकतः आतंकियों के खात्मे के लिए उतारा बीएपी-2

नई दिल्ली।

जम्मू के सुंदरबनी सेक्टर के असन इलाके में आतंकियों के खिलाफ किया ऑपरेशन इस लिहाज से खास रहा, कि पहली बार सेना ने मोबिलिटी के लिए BMP-2 का इस्तेमाल किया। सोशल मीडिया में कुछ लोग BMP की तस्वीरें डाल इसे टैंक बता रहे हैं, लेकिन टैंक और BMP में काफी फर्क होता है। BMP सैनिकों को कैरी करने वाला वीइकल है, जिसके आगे एक कैनन लगा होता है। कैनन का इस्तेमाल नहीं किया गया। ऑपरेशन के दौरान सैनिकों की सुरक्षा के लिए BMP का इस्तेमाल एक सिक्योर वीइकल की ही तरह किया गया।
जिस जगह सेना आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चला रही थी वह जंगल के बीच एक खुला मैदान वाला इलाका है। वहां किसी और वीइकल से मूवमेंट में दिक्कत होती इसलिए BMP का इस्तेमाल किया गया। इसमें सैनिक आतंकियों

की फायरिंग से सुरक्षित भी रहते हैं। BMP-2 का इस्तेमाल कर सेना ने ऑपरेशन को दो दिन में खत्म कर दिया। अगर ऑपरेशन अर्बन इलाके में होता है तो सेना बख्तरबंद गाड़ियों जैसे कैस्पर का इस्तेमाल करती है। BMP इंफ्रेंट्री कैरियर वीइकल है, जो सैनिकों को ले जाते हैं और इनमें हथियार भी लगे होते हैं। भारतीय सेना की मैकेनाइजड इंफ्रेंट्री में अभी 2000 के करीब ढ्रष्टङ्क हैं। ये रूसी ICV BMP-2 हैं। ये दो तरह के हैं। एक ट्रैक्ड यानी की टैंक की तरह ट्रैक पर चलने वाले और दूसरे वीइल्ड यानी टायरों पर चलने वाले। BMP-2 एंफीबियस हैं यानी ये नदी-नाले को भी आसानी से पार कर सकते हैं। बीएमपी और टैंक दोनों अलग अलग होते हैं। दोनों ही बख्तरबंद हैं। ट्रैक्ड BMP और टैंक के चलने का तरीका एक जैसा है। आपने इनके चेन से लगे पहिए देखें होंगे। लेकिन दोनों की खासियत और उनका इस्तेमाल अलग अलग है। बीएमपी को आर्मी की मैकेनाइज्ड इंफ्रेंट्री इस्तेमाल करती है और टैंक आर्मी की आर्मर्ड यानी टैंक रेजिमेंट का हिस्सा है। टैंक को आर्मर्ड फाइटिंग वीइकल यानी एएफवी भी कहा जाता है। जबकि बीएमपी हैं इंफ्रेंट्री कैरियर वीइकल यानी आईसीवी।
इंफ्रेंट्री सैनिकों की स्पीड भी टैंक जितनी ही रखने के लिए आर्मर्ड के दस्ते के साथ मैकेनाइज्ड इंफ्रेंट्री की जरूरत होती है। इसके लिए बीएमपी चाहिए। टैंक की जितनी मोटी चादर यानी लेयर होती है उतनी बीएमपी की नहीं होती। इसे छोटे हथियारों से प्रोटेक्शन के हिसाब से बनाया गया है। बीएमपी में फायरिंग का सिस्टम टैंक से अलग है। बीएमपी कैनन फायर करते हैं।

जोधपुर-बाड़मेर हाईवे पर 3 की मौत, 14 घायल

बालोतरा।

जोधपुर-बाड़मेर नेशनल हाईवे-25 पर खड़ी प्राइवेट बस में पीछे से आई मिनी बस घुस गई। हादसे में मिनी बस में सवार 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं 14 लोग घायल हो गए, इनमें से 4 को गंभीर हालत में जोधपुर रेफर किया गया है। घायलों ने बताया कि मिनी बस का ड्राइवर मोबाइल चला रहा था। पचपदरा थानाधिकारी अमराराम ने बताया कि कुड़ी गांव के पास हाईवे पर एक प्राइवेट बस सड़क किनारे खड़ी थी। ड्राइवर पक्षियों को चुग्गा डालने गया था। मिनी बस सवारियां लेकर सुबह करीब 8 बजे पाटोदी से रवाना हुई थी, जो कल्याणपुर की तरफ जा रही थी। मिनी बस ने खड़ी बस को पीछे से टक्कर मार दी। मिनी बस के आगे का हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। उसमें बैठी सवारियां बस में फंस गईं। पीछे बैठी सवारियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे। उन्होंने फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकाला। पचपदरा (बालोतरा) थानाधिकारी अमराराम ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर (कुड़ी गांव के पास) पहुंच गई थी। सभी घायलों को एंबुलेंस से बालोतरा के नाहटा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

गाजियाबाद जिला जज कोर्ट में कुर्सियां फेंकीं, पुलिस चौकी फूंकीः सुनवाई के दौरान झड़प; पुलिस ने वकीलों को लाठीचार्ज कर खदेड़ा

गाजियाबाद।

गाजियाबाद में जिला जज की कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई के दौरान बवाल हो गया। जज अनिल कुमार और वकीलों में झड़प हो गई। इसके बाद वकील भड़क गए। कोर्ट रूम में कुर्सियां फेंकीं। पुलिस ने हंगामा कर रहे वकीलों को लाठीचार्ज कर खदेड़ा। इससे गुस्साए वकीलों ने कचहरी की पुलिस चौकी में तोड़फोड़ कर आग लगा दी।
दरअसल, वकील नाहर सिंह यादव ने जज से एक व्यक्ति की जमानत अर्जी दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की थी। इसी बात को लेकर उनकी जिला जज अनिल कुमार से कहासुनी शुरू हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि जिला जज डाइस से उतर कर नीचे आ गए।

जज और वकीलों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। इस बीच, जज ने फोन करके पुलिस और PAC बुला ली। वकीलों का आरोप है कि जिला जज कोर्ट रूम में उन्हें चारों तरफ से दरवाजे बंद करके पीटा गया। इसमें कई वकीलों को चोट भी आई है।

70+ वालों को आज से 5 लाख का मुफ्त इलाजः आयुष्मान योजना से 6 करोड़ बुज़ुर्गों को फायदा; पीएम बोले- अफसोस इसमें दिल्ली-बंगाल नहीं

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को धनतेरस और 9वें आयुर्वेद दिवस पर 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों के लिए 5 लाख रुपए का मुफ्त इलाज की सुविधा लॉन्च की। इसके तहत देश के 6 करोड़ बुजुर्गों को फायदा मिलेगा।
दरअसल, केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को विस्तार दिया और इसमें बुजुर्गों को शामिल किया है। इस दौरान दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद में मोदी ने सीनियर सिटीजन को आयुष्मान वय वंदन कार्ड सौंपा।
पीएम ने कहा, 'मैं दिल्ली और बंगाल के 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों से क्षमा मांगता हूं कि उनकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। आपको कष्ट होगा, लेकिन मैं मदद नहीं कर पाऊंगा। कारण- दिल्ली और बंगाल की सरकार इस योजना से नहीं जुड़ रही है। माफी मांगता हूं कि देशवासियों की सेवा कर पा रहा हूं, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ दिल्ली-बंगाल में सेवा नहीं करने दे रहा। मेरे दिल में कितना दर्द होता होगा, मैं शब्दों में बयां नहीं कर पाऊंगा।'
पीएम ने 12,850 करोड़ के हेल्थ प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन किया मोदी ने 29 अक्टूबर को 12,850 करोड़ के हेल्थ प्रोजेक्ट्स उद्घाटन किया। पीएम ने वर्चुअली मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, बिहार समेत 18 राज्यों में हेल्थ प्रोजेक्ट्स लॉन्च हुए। इसके साथ उन्होंने ऋषिकेश AIIMS से देश की पहली एयर एंबुलेंस संजीवनी की शुरुआत भी की।
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के दूसरे फेज का प्रोजेक्ट मॉडल देखा। इसमें पंचकर्म हॉस्पिटल, आयुर्वेदिक फार्मेसी, लाइब्रेरी, आईटी और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन सेंटर और 500 सीटों वाला ऑडिटोरियम शामिल है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के दूसरे फेज का प्रोजेक्ट मॉडल देखा। इसमें पंचकर्म हॉस्पिटल, आयुर्वेदिक फार्मेसी, लाइब्रेरी, आईटी और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन सेंटर और 500 सीटों वाला ऑडिटोरियम शामिल है।

एअर इंडिया की 32 फ्लाइट्स में बम की धमकी

नागपुर। 32 विमानों में बम की धमकी मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मंगलवार को जिन विमानों में बम की धमकी मिली, वे सभी एअर इंडिया के हैं।
इधर, विमानों में बम की धमकी देने के मामले में एक और आरोपी की पहचान मंगलवार को हुई है। नागपुर पुलिस के मुताबिक, यह महाराष्ट्र के गोंदिया का जगदीश उइके (35) है। यह आतंकवाद पर किताब भी लिख चुका है।
श्वेता खेडकर ने बताया पुलिस टीम ने फर्जी ईमेलों की खोजबीन करके आरोपी को ट्रेस किया है। आरोपी अभी फरार है, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस की स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। यह 2021 में एक केस में अरेस्ट भी हो चुका है। दो हफ्ते में 400 से ज्यादा फ्लाइट्स को धमकी दी जा चुकी है। फ्लाइट्स में फेक थ्रेट देने के मामले में दो युवक पहले भी पकड़े जा चुके हैं।

- लक्ष्मणगढ़ में अमंगल, दीपावली की खुशियां मातम में बदली

तेज रफ्तार बस पुलिया से टकराई, 12 लोगों की मौत, 36 घायल

लक्ष्मणगढ़। लक्ष्मणगढ़ में मंगलवार को बड़ा अमंगल हो गया। एक दर्दनाक हादसे में कई परिवारों की दीपावली खुशियां क्षणभर में काफूर हो गई। लक्ष्मणगढ़ शहर में बाईपास पर एक निजी बस पुलिया से टकरा गई। जानकारी के अनुसार हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई तो वही 3 दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए लक्ष्मणगढ़ जिला अस्पताल और सीकर के अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद सवारियो में चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही लोगों की भीड़ घटना स्थल पर उमड़ पड़ी। हर किसी ने शवों को बाहर निकालने में मदद की और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट गए। बता दें कि मंगलवार दोपहर को लक्ष्मणगढ़ में बाईपास पर बने पुलिया से एक बस टकरा गई। बस सालासर से नवलगढ़ जा रही थी। तेज रफ्तार होने के कारण बस घूम नहीं सकी। बस को लक्ष्मणगढ़ पुलिया से बायीं तरह से

जयपुर-बीकानेर रोड की ओर जाना था। तेज रफ्तार में होने के कारण बस पूरी तरह घूम नहीं सकी और सीधे पुलिया से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का आगे का 3 से 4 फीट का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस पुलिया की दीवार से टकराई और ड्राइवर साइड का पूरा हिस्सा चकनाचूर हो गया। टक्कर के बाद वहा आस पास के लोगों की भीड़ जुट गई और एक-एक कर बस में सवार सभी लोगों को लक्ष्मणगढ़ जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को रैफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार हादसे में कुल 45 घायलों को लक्ष्मणगढ़ जिला अस्पताल लाया गया जिनमें से 30 घायलों को अन्यत्र रैफर किया गया तो वही 8 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई और 7 लोगों की मौत हो गई। मृत व्यक्तियों में विनीता, आदित्य, कमला, सीमा, प्रमोद सिंह, बनारसी, किरण कंवर सहित 5 अन्य की समाचार लिखे जाने तक मौत हो चुकी है। हादसे की सूचना के पश्चात सीकर रेंज आईजी सतेंद्र सिंह,सीकर जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा, पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव मौके पर पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी और स्थिति का जायजा लिया तो लक्ष्मणगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मुस्तफा कुरैशी, भाजपा नेता दिनेश जोशी, भागीरथ गोदारा, रियाजुद्दीन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि भी जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों की कुशल जानी। बता दे कि स्थानीय जिला अस्पताल के कर्मियों की टीम की ओर से उक्त हादसे में लोगों को बचाने का भरसक प्रयास किया गया।

सांसद, कलेक्टर, एसपी सहित कई लोग मौके पर पहुंचे

सूचना मिलने पर सीकर सांसद अमराराम, कलेक्टर मुकुल शर्मा, एसपी भवन भूषण यादव, सिटी डीएसपी (आईपीएस) शाहीन सी और एडीएम रतन कुमार मौके पर पहुंचे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया शोक

सीकर हादसे के बारे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिखा है कि सीकर के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बस दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद हृदयविदारक है। मेरी गहरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिवारजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

CM भजनलाल बोले- हमने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना शुरू की

भरतपुर में ढट ने वर्चुअली किया क्रिटिकल केयर ब्लॉक का शिलान्यास

इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को जल्द मिलेगा इलाज

नमस्ते राजस्थान

भरतपुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में क्रिटिकल केयर ब्लॉक का शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम में शामिल होने सीएम भजनलाल शर्मा दोपहर 12 बजे भरतपुर पहुंचे थे। कार्यक्रम में डीग कुम्हेर विधायक शैलेश सिंह, वैर भुसावर विधायक बहादुर सिंह कोली, बयाना विधायक ऋतु बनावत भरतपुर विधायक सुभाष गर्ग मौजूद रहे। पीएम ने दोपहर 1.20 बजे ब्लॉक का शिलान्यास किया। सीएम भजनलाल मंगलवार दोपहर हेलिकॉप्टर से भरतपुर पहुंचे। यहां राजकीय आरबीएम हॉस्पिटल के परिसर में कार्यक्रम हुआ। पीएम नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आयुष्मान आरोग्य योजना की जानकारी देते हुए कहा- पिछली सरकार ने चिरंजीवी योजना के

प्रचार पर पानी की तरह पैसा बहाया। उसका फायदा कुछ ही लोगों को मिला। हमने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना शुरू की है। इसमें लोगों को 25 लाख तक का इलाज मिलेगा। हमने योजना में दूसरे राज्यों की सर्वोत्तम पद्धतियों को शामिल कर प्रभावी बनाया है। इसमें कैंसर जैसी योजना के लिए पैकेज है, बच्चों के लिए कई तरह की बीमारियों के उपचार के पैकेज हैं। अन्य राज्यों के मरीज जो राजस्थान इलाज के लिए आते हैं, उनके लिए प्रावधान हैं। प्रदेश के 1800 से ज्यादा हॉस्पिटल योजना से जुड़ चुके हैं। किडनी लीवर हार्ट के रोगों का भी इलाज किया जा रहा है। टीकाकरण प्रोग्राम में 13 लाख से ज्यादा बच्चे रजिस्टर्ड हो चुके हैं। हमने मिलावट के खिलाफ शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान चलाया है। जिसमें सैंपल लेने के मामले में राजस्थान ने देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। हमने अस्पताल की ओपीडी की पर्चियों पर हेल्पलाइन नंबर देना शुरू किया है। महंगी दवाओं की चिंता से मुक्ति के लिए जन औषधी केंद्र खोले गए हैं। उन्होंने कहा- आज धनतेरस है, परसों दीपावली है। सभी लोगों को पंचोत्सव की शुभकामना। पीएम मोदी प्रोग्राम से जुड़ने वाले हैं। कार्यक्रम का समापन दोपहर 2.20 बजे हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से भरतपुर सहित 8 जगह मेडिकल से संबंधित विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया है। भरतपुर में काफी लंबे समय से क्रिटिकल केयर ब्लॉक की मांग थी। कार्यक्रम में भाग लेने के बाद सीएम सर्किट हाउस पहुंचे। उनका पैतृक गांव अटारी जाने का कार्यक्रम है। जहां वह स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। उसके बाद सीएम जयपुर के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल का हेलिकॉप्टर मंगलवार दोपहर राजकीय कॉलेज के ग्राउंड स्थित हेलिपैड पर उतरा। यहां से वे कार से आरबीएम हॉस्पिटल परिसर में चल रहे कार्यक्रम में पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले हॉस्पिटल में धनवंतरि की तस्वीर के आगे दीपक जलाया।

क्या है क्रिटिकल केयर खासियत

दरअसल कोरोना काल क्रिटिकल केयर की कोरोना के दौरान जरूरत महसूस हुई थी। क्योंकि उस दौरान जो भी कोरोना के मरीज आ रहे थे। उन्हें अस्पतालों में भर्ती किया जा रहा था। इस दौरान दूसरे आने वाले मरीजों को भी उसी अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा था। इसलिए क्रिटिकल केयर की जरुरत महसूस हुई कि अगर क्रिटिकल केयर होगा तो, दूसरे इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को उसमें देखा सकता है।

पटाखों की अस्थाई दुकानों पर कांस्टेबल से हाथापाई:

दुकानदारों ने फर्जी समझकर किया झगड़ा, दो को पकड़ा

नमस्ते राजस्थान

अलवर अलवर शहर के घंटाघर के पास सोमवार रात अस्थाई रूप से लगी दुकानों पर पहुंचे कांस्टेबल से दुकानदारों ने हाथापाई कर दी। कांस्टेबल ने पटाखों के बारे में पूछा। इस दौरान फर्जी कांस्टेबल समझकर दुकानदारों ने झड़प की। मामले में कोतवाली पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा है। दुकानदार राजेंद्र जाटव ने बताया- एक आदमी पुलिस की वर्दी पहनकर पूछने आया था कि पटाखे (बम) कहां हैं। उसने मना कर दिया कि यहां कोई बम नहीं है। उसके बाद पास में से आवाज आई कि कोई फर्जी आदमी है। इसके बाद पुलिसकर्मी के साथ बहस हो गई। कांस्टेबल ने मेरी कॉलर पकड़ ली। इसके बाद पुलिस दो जनों को कोतवाली ले गई। दुकानदार और अन्य लोग भी वहां आ गए। कई लोग आरोप लगाते रहे कि पुलिस दुकानदारों से उगाही करने में लगी है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में कोई बयान नहीं दिया है।

घंटाघर के आस-पास रोड पर अस्थाई दुकानें लगी

दुकानदारों ने बताया-करीब साढ़े 9 बजे का समय था। दीपावली पर घंटाघर के आस-पास रोड पर अस्थाई दुकानें लगी हैं। वहां एक होमगार्ड का जवान आया। उसने पूछा- पटाखे किस दुकान पर हैं। दुकानदार ने कहा- कहीं नहीं हैं। कुछ ही दूरी पर दूसरे दुकानदारों के बीच में से आवाज आने लगी कि फर्जी पुलिसकर्मी है। इसके बाद दुकानदार और कांस्टेबल की झड़प हो गई। पहले दुकानदार को कांस्टेबल ने पकड़ लिया। इस दौरान बाकी दुकानदार भी आ गए और होमगार्ड से धक्का-मुक्की की गई। दुकानदारों का कहना है कि कांस्टेबल को फर्जी समझकर हाथापाई हो गई थी। पुलिस दो जनों को पकड़कर कोतवाली लेकर आई।

गहलोत-डोटासरा पर किरोड़ी बोले-उनके दिल में ठसक: 'पूरे 5 साल चैन से सोने नहीं दिया;सड़क पर लड़ाई नहीं लड़ता तो राज नहीं जाता'

नमस्ते राजस्थान

दौसा कृषि मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को आडे हाथों लिया है। उन्होंने कहा- कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन सभा में बड़े-बड़े नेता आए। उन्होंने यहां पूरा जोर लगाकर मुझे गाली देने का काम किया। गहलोत-डोटासरा ने भी गालियां दी, क्योंकि पिछले 5 साल तक मैं सड़क पर लडाई नहीं लड़ता तो गहलोत का राज नहीं जाता। गहलोत के दिल में इस बात की टसक है कि किरोड़ीलाल ने पूरे पांच साल सरकार को चैन से नहीं सोने दिया। सड़क पर उतरकर भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, पेपर लीक जैसे कई मामलों में आंदोलन किए। डॉ किरोड़ीलाल ने यह बात विधानसभा उपचुनाव में भाजपा

प्रत्याशी जगमोहन मीणा के चुनाव प्रचार के दौरान मुस्लिम मोहल्ले में जनसम्पर्क के दौरान कही। उन्होंने कहा- ईओ भर्ती लीक में ब्लूटूथ से नकल हुई थी इसलिए पेपर लीक हुआ था। सरकार ने भर्ती रद्द कर दी है। वहीं पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा द्वारा बडे मगरमच्छ की गिरफ्तारी पर किए तंज पर कहा कि एसओजी पेपर लीक मामले की कड़ी से कड़ी जोड रही है, उसमें समय लगता है। अभी तक की जांच के बाद कार्रवाई की तो आरपीएससी के दो मेंबर व 50 थानेदार जेल में हैं। ऐसा देश में पहली बार हुआ है। पेपर लीक कह कडी जुड़ने के बाद कोई राजनेता, अधिकारी हो या फिर कोई और दोषी जेल जाएंगे, ऐसा मुझे विश्वास है। कांग्रेस सरकार के वक्त पेपर लीक हुए तो जनता ने सरकार ही बदल दी। गोविंद डोटासरा द्वारा जगमोहन मीणा के टिकट के लिए किरोड़ीलाल द्वारा भवानी रुठाने की तंज पर कहा कि हां मेरी भवानी जग गई है और इसलिए मुस्लिम भी भाजपा को वोट दे रहे हैं। मैं दीन, हिन व गरीब की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहा हूं और आगे भी रहूंगा। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लिए मान्यता है कि ये वर्ग कभी भाजपा को वोट ही नहीं देता। लेकिन अबकी बार मुझे भरोसा है कि दौसा के मुस्लिम मुझे वोट देगा।

ट्रिपल एम का जिक्र कर वोट मांगे

किरोड़ीलाल ने कहा- मुस्लिम, मेव और मीणा की एक ही राशि है, इसलिए मेरी मदद करो। मुझे विश्वास है कि दौसा के मुस्लिम मुझे आशीर्वाद देंगे। चुनाव जीतकर आपके मोहल्ले में अलग से सभी अधिकारियों को लेकर आएंगे और समस्याओं को दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी जाति-धर्म के व्यक्ति पर अन्याय हो रहा हो और उनको पता चलते ही मदद के लिए आगे आता हूं। इसलिए मुस्लिम समुदाय को भरोसा दिलाता हूं किसी के साथ भेदभाव नहीं होने दूंगा। समान रूप से विकास, सबकी मदद की जाएगी। वैसे तो किसी की हिम्मत नहीं कि आप पर अत्याचार करें, लेकिन फिर भी कोई बात होगी तो हर दुख-दर्द में खड़ा मिलूंगा।

गोपालगढ का आंदोलन याद दिलाया

किरोड़ी ने 2011 में भरतपुर जिले के गोपालगढ़ घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि उस वक्त पार्टी ने मुझे बाहर निकाल दिया था, लेकिन दौसा की जनता ने मुझे निर्दलीय सांसद चुना। घटनाक्रम में 9 मुस्लिमों की हत्या कर दी गई थी, तब मैं वहां गया और समाज के लोगों के हक की लड़ाई लड़ी। कलेक्टर-एसपी को सस्पेंड करने की मांग रखी, गहलोत सरकार ने मेरी बात नहीं सुनी। बाद में आंदोलन किया तो गृहमंत्री शांति धारीवाल को बर्खास्त व कलेक्टर-एसपी को सस्पेंड किया गया। मैंने मुस्लिम समुदाय के लिए भी न्याय की लडाई लडी। उसकी बदौलत राहुल गांधी को भी गोपालगढ आना पड़ा था।

कहा- मैं वोट का लोभी, वोट तो चाहिए

उन्होंने कहा- जब मेरे दिमाग में बैठ जाता है कि कमजोर व्यक्ति के साथ अन्याय हो रहा है तो उसकी मदद के लिए सभी सीमाएं पार कर देता हूं कि उसे न्याय मिले। इसलिए मैं वोट का लोभी हूं क्योंकि वोट तो चाहिए। लेकिन वोट देने वाले हों या फिर नहीं देने वाले, सबकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहूंगा। एक बार वोट देकर तो देखो आज तक किसी ने जो काम नहीं किया होगा वो काम आपके मोहल्ले में करूंगा। मेरा स्वभाव तो आप जानते ही हो कि मैं जो काम हाथ में लेता हूं उसकी पूंछ उखाड़कर ही छोड़ता हूं।

'जेल से धमकी देना सरकार का फेलियर, इसे ठीक करना चाहिए': सांसद उम्मेदाराम बोले अपराधियों में भय रहना चाहिए,आमजन में विश्वास

नमस्ते राजस्थान

बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल गैंगस्टर की ओर से जेल से धमकी देने पर बोलते हुए कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए यह सिस्टम की फेलियरटी है। इस सिस्टम को ठीक करना पड़ेगा ताकि जेल के अंदर रहने वाले अपराधियों के अंदर भय व्याप्त रहना चाहिए। आमजन के अंदर विश्वास होना चाहिए। यह सरकार की ओर से कई न कई फेलियर रही है। सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्र की स्कीमों को लेकर मीटिंग ली गई है। इसमें विकास कार्यो की समीक्षा की गई। सरकार की हर घर जल स्कीम की प्रोग्रेस रिपोर्ट के बारे में चर्चा की गई। उसमें बहुत ज्यादा अनियमितताएं की शिकायतें आ रही है। हर घर नल तो लगें हुए है कई जगह ल रहे है। 100 प्रतिशत काम पूरे बता दिए लेकिन पानी पहुंचना अब तक असंभव सा लग रहा है। उसके बारे में डिटेल में निर्देश दिए गए है। कैसे भी हो पानी हर घर तक

पहुंचे। जो रुपए खर्च हो रहे है उसका पूर्ण रूप से सद उपयोग हो। इसके लाइट विभाग की अनियमितता है। लोड कैपिसिटी बढ़ाने की क्या प्रोग्रेस है। इसको लेकर चर्चा की गई। दरअसल, सांसद बनने के बाद पहली बार डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी मीटिंग का जिला कांफ्रेस हाल में मंगलवार को आयोजन हुआ। इस दौरान सांसद, विधायकों को साफा व गुलदस्ता भेंट कर करके स्वागत किया गया। मीटिंग में चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, बायतु विधायक हरीश चौधरी, जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी, जिला कलेक्टर टीना डाबी, जिला परिषद सीईओ सिद्धार्थ, सभापति दीपक माली सहित प्रधान एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मीटिंग में 23 विभागों के 62 स्कीम और केंद्र सरकार की ओर से संचालित स्कीम की समीक्षा की गई। मीटिंग शुरू होते ही धनाऊ प्रधान शम्मा खान ने स्कूलों में पोषाहार पका रही महिलाओं को मुद्दा उठाया। कहा मैं स्कूल विजिट करने गई थी। वहां पर पोषाहार पका रही महिला नें कहा कि 2100 रुपए में महीनभर भोजन पका रही है। उन्होंने कहा कि 2100 रुपए घर चलाना मुश्किल है। अब यह छोड़कर किसी ओर काम में लग जाए। अप्रैल में तनख्वाह मिली थी कि अब अक्टूबर आ गया अब दीपावली आ गई इनको तनख्वाह दे ही सकते है। इस पर सांसद ने कहा कि राज्य स्तर का मामला है उनको अवगत करवाया जाएंगा।

श्रम विभाग के अधिकारी नहीं पहुंचने पर नोटिस के निर्देश

सांसद बेनीवाल ने कहा कि आज तो पहली बैठक थी। सब अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। अगली मीटिंग तक दिए गए निर्देश के अनुसार काम नहीं करेंगे तो नोटिस भी दिए जाएंगे और कार्रवाई भी की जाएगी। मीटिंग में श्रम विभाग का एक भी अधिकारी नहीं आया। उनको मजदूर कार्ड सहित अलग-अलग स्कीम चल रही है उसकी रिपोर्ट देनी थी। लेकिन कोई आ नहीं इस वजह से उनको नोटिस जारी किए गए है।

उप चुनाव में कांग्रेस मजबूत स्थिति में

उम्मेदाराम बेनीवाल कहा ने उपचुनाव पर बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ रही है। सातों जगह जीतने का प्रयास करेंगे। सब सीटों पर स्थिति अच्छी है। सभी जीतने के लिए अच्छी मेहनत कर रहे है। अलग-अलग नेताओं को अलग-अलग जवाबदारी सौंपी हुई है। सभी अच्छी मेहनत और प्रयास कर रहे है। गठबंधन करना या नहीं करना यह बड़े स्तर की बात है। जैसा उनको ठीक लगा उन्होंने वैसा किया। पार्टी जैसे निर्देश देगी वैसा किया जाएगा। सांसद ने गैंगस्टर की ओर से धमकी देने पर बोलते हुए कहा कई न कई सरकारी की विफलता है। इसकी निष्पक्षता से जांच करके कोशिश करके ठीक करना पड़ेगा। ताकि जेल में अपराधियों में जो भय है वो व्याप्त रहना चाहिए।जनता में विश्वास होना चाहिए। यह कई न कई सरकारी की विफलता रहीं है। तभी ऐसा हो रहा है।

बांडी नदी में बुजुर्ग ने लगाई छलांग:

गृह क्लेश के चलते सुसाइड की कोशिश, गश्त कर रही पुलिस टीम ने बचाया

नमस्ते राजस्थान

अजमेर अजमेर में घरेलू कलह से परेशान वृद्ध ने सोमवार रात को रामनगर इलाके में बांडी नदी में छलांग लगा दी। लोगों की सूचना पर पुलिस गश्ती दल के सिपाही मौके पर पहुंच गए। पुलिस कर्मियों ने वृद्ध को पानी से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य बताई गई है। गंज थाना प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि मोतीविहार निवासी भगवान दास साहू (71) रात करीब साढ़े 9 बजे रामनगर में बांडी नदी के नाले में कूद गया था। इस बीच थाने पर सूचना मिलने पर गश्त कर रही टीम मौके पर पहुंच गई। टीम के द्वारा बुजुर्ग व्यक्ति भगवान दास को नाले से बाहर निकाला गया। पूछताछ में सामने आया की गृह क्लेश के चलते वह घर से निकला और सुसाइड के लिए पहुंच गया। बुजुर्ग को हॉस्पिटल में एडमिट करवाया है। मामले में परिजनों को भी सूचना देकर जांच शुरू कर दी हैं।

एक नजर

एकता दिवस पर कलेक्ट्रेट पार्क में हुआ शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन

जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत 29 अक्टूबर 2024 को प्रातः 11.00 बजे कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पार्क में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया ।

जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता तथा सुरक्षा को बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई। साथ ही सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी ।

उल्लेखनीय है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। 31 अक्टूबर को दीपावली पर्व के चलते मंगलवार को ही पुष्पांजली अर्पित कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) विनीता सिंह अतिरिक्त जिला कलेक्टर (तृतीय) कुंतल बिश्नोई, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मुंड, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहारिया, एसडीएम जयपुर राजेश जाखड़ सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

शासन सचिवालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई गई

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। शासन सचिवालय में मंगलवार को राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सुरक्षा की शपथ दिलाई। इसके साथ ही पंत एवं सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस बार 31 अक्टूबर को दीपावली पर्व होने से राजकीय अवकाश के कारण 29 अक्टूबर को पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर शासन सचिव कार्मिक विभाग के.के.पाठक, शासन सचिव सामान्य प्रशासन विभाग डॉ.जोगाराम, प्रमुख शासन सचिव सार्वजानिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता एवं अन्य अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

परिवहन निगम अध्यक्ष ने कर्मचारियों को दिए दीपावली के उपहार

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम अध्यक्ष शुभ्रा सिंह ने मंगलवार को निगम मुख्यालय पर दीपावली के उपलक्ष में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, मैकेनिक, निगम के चालकों और परिचालकों को जब दीपावली उपहार दिए तो सभी के चेहरे खिल उठे। प्रदेश भर के लगभग 10 हजार कार्मिकों को पहली बार दीपावली पर उपहार दिए गए हैं। प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में दिए गए इन उपहारों और दीयों को पाकर कार्मिक गदगद हो उठे और बोले दीपावली पर इस तरह की अनूठी पहल से उनके घर रोशन हो गए।

इस अवसर पर निगम अध्यक्ष ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निगम की इस पहल से इन कार्मिकों के घर रोशन होंगे और उनका उत्साहवर्धन होगा। उन्होंने कहा कि ये सभी कार्मिक निगम परिवार का हिस्सा हैं और उनकी इस दीपावली को यादगार बनाने के लिए यह पहल की गई है।

मुख्यमंत्री ने 'रन फॉर यूनिटी' मैराथन को दिखाई हरी झण्डी

सशक्त भारत में लौह पुरुष का अतुलनीय योगदान : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय रियासतों का एकीकरण कर एक सशक्त भारत का निर्माण किया। उनकी जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी मैराथन हमें विविधता में एकता के महत्व का संदेश देते हुए उनके अतुलनीय साहस और संकल्प का स्मरण कराती है।

शर्मा ने मंगलवार को अमर जवान ज्योति पर 'रन फॉर यूनिटी -एक भारत, श्रेष्ठ भारत' मैराथन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया और उपस्थित जन समूह से राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ का वाचन कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जिस तरह सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ शक्ति के बल पर देश को एकता के सूत्र में पिरोया, उससे नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए और राष्ट्रीय एकता के लिए समर्पित होकर कार्य करना चाहिए। शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल के विराट व्यक्तित्व को दर्शाने के लिए प्रधानमंत्री ने गुजरात में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कराया है। इस मूर्ति के निर्माण के लिए राजस्थान सहित पूरे देश के लोगों ने लोहा देकर अपना योगदान दिया। यह एक मूर्ति नहीं है, बल्कि भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है।

जम्मू कश्मीर से हटाई धारा 370, दिया एकता का अहम संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस संकल्प के साथ देश को एकजुट किया उसी पथ पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर 'एक देश, एक विधान और एक निशान' के संकल्प को और मजबूत करने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर सरदार पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को पूरे जज्बे और जोश के साथ सम्पूर्ण भारत वर्ष में मनायी जाती है। इस वर्ष 31 अक्टूबर को दीपावली पर्व होने के कारण प्रधानमंत्री ने देशवासियों को इसे 29 अक्टूबर को आयोजित करने का आग्रह किया था।

खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' फिट इंडिया का संदेश देती है। इस अवसर पर जयपुर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा, सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा, पुलिस महानिदेशक यूआर साहू, खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के पवन सहित भारी संख्या में पुलिस के जवान, एनसीसी कैडेट, स्काउट गाइड सहित सभी आयुवर्ग के धावक उपस्थित थे।

राज्य वन्यजीव मण्डल की स्थायी समिति की द्वितीय बैठक

प्रदेश के वन्यजीव संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार कर रही हरसंभव प्रयास : संजय शर्मा

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में वन्यजीव मण्डल की स्थायी समिति की द्वितीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सदस्यों द्वारा प्रदेश के वन्यजीव स्वीकृति से सम्बंधित 14 नए प्रस्तावों तथा 3 पुनर्विचार के प्रस्तावों पर चर्चा की गई एवं समिति की गत बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना की समीक्षा की गई। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण को गति देने की दिशा में हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश के वन्यजीव संरक्षित क्षेत्रों में वन्यजीव एवं वनसंपदा को बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके, इसके लिए नियमों के भली भांति पालन को सुनिश्चित किया जा रहा है।

शर्मा ने माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य में व्यापक स्तर पर फैली हुई खरपतवार 'लैन्टाना' के उन्मूलन के सम्बन्ध में उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस खरपतवार प्रजाति के कारण अभयारण्य के पर्यावरण पर पड़ रहे विपरीत प्रभाव को जल्द ही रोका जाना चाहिए। सदस्यों द्वारा प्राप्त सुझावों के आधार पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण अपर्णा अरोड़ा ने कहा कि अधिकारी 'लैन्टाना' के उन्मूलन के विषय में अन्य राज्यों द्वारा किये जा रहे प्रयोगों का अध्ययन कर एसओपी तैयार करे।

बैठक में संरक्षित क्षेत्रों के साथ ही वन्यजीव संरक्षण को लेकर सदस्यों की ओर से सुझाव साझा किये गए।

बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) अरिजीत बनर्जी, सदस्य सचिव स्थायी समिति राज्य वन्यजीव मण्डल एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक पवन कुमार उपाध्याय, स्थायी समिति राज्य वन्यजीव मण्डल के सदस्य एवं अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

डीजीपी साहू ने पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों को दिलाई एकता की शपथ

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) के उपलक्ष्य में पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा में स्वयं को समर्पित करने की शपथ दिलाई।

डीजीपी साहू ने पुलिस मुख्यालय के एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसपी स्तर के ऑफिसर्स सहित अन्य अधिकारियों और कार्मिकों को शपथ दिलाते हुए देश वासियों के बीच भी राष्ट्रीय एकता के संदेश के प्रसार का आह्वान किया। समस्त अधिकारियों और कार्मिकों ने देश में एकता की भावना की शपथ ली, जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता और कार्यों से सम्भव बनाया जा सका। इस अवसर पर सभी ने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में योगदान करने का संकल्प व्यक्त किया।

राज्य में 83 फर्मो पर निरीक्षण , अनियमितता पाए जाने पर 46 फर्मों से 85 हजार रुपए का जुर्माना वसूला

जयपुर। दीपावली त्योहार के मध्यनजर चलाये जा रहे कंज्यूमर केयर अभियान के तहत मंगलवार को राज्य में 83 फर्मों का निरीक्षण किया गया। डिब्बा बंद वस्तुएं नियम के तहत 3 तथा सत्यापन प्रमाण पत्र एवं सत्यापित बाट माप नही पाये जाने पर 44 फर्मों पर कार्रवाई कर 84,500 रूपये का जुर्माना लगाया गया । खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने यह जानकारी दी।

राज्य में दीपावली पर रहेगी बिजली की निर्बाध आपूर्ति

जयपुर डिस्कॉम में व्यवधान की स्थिति में तैयार रहेंगी 332 फॉल्ट रेक्टिफिकेशन टीमें

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। प्रदेश में दीपावली पर बिजली की पर्याप्त उपलब्धता तथा निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक ने इस संबंध में बिजली कंपनियों को सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

डिस्कॉम्स चेयरमैन तथा जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने मंगलवार को डिस्कॉम अभियंताओं के साथ दीपावली पर विद्युत आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की और तीनों वितरण कंपनियों में ग्रिड सब स्टेशनों पर अभियंताओं की ड्यूटी लगाने के साथ ही आपूर्ति में व्यवधान की किसी भी स्थिति में फॉल्ट रेक्टिफिकेशन टीमों को तैयार रहने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि जयपुर डिस्कॉम के 225 सहायक अभियंता (ओ एंड एम) कार्यालयों में कुल 332 एफआरटी कार्यरत हैं जो फॉल्ट की किसी भी स्थिति में आपूर्ति बहाल करती हैं।

डोगरा के निर्देश पर जयपुर विद्युत वितरण निगम के डायरेक्टर (तकनीकी) एस.एस. नेहरा ने जयपुर, भरतपुर एवं कोटा जोन के मुख्य अभियंताओं को निर्देश जारी किए हैं कि ग्रिड सब स्टेशनों पर अधिकारियों एवं कार्मिकों तथा आवश्यक उपकरणों की आवश्यकतानुसार उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। यह अधिकारी ट्रांसफॉर्मरों तथा विद्युत तंत्र के ओवरलोड होने की स्थिति में निगाह रखेंगे तथा वैकल्पिक इंतजाम सुनिश्चित करेंगे। विशेषकर पीक ऑवर्स में भी सप्लाई को मेंटेन रखेंगे।

जोधपुर एवं अजमेर डिस्कॉम में विशेष इंतजाम

जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक भंवरलाल तथा अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक के.पी.वर्मा ने बताया कि निगम क्षेत्र में अधीक्षण अभियंताओं को 30 अक्टूबर से 02 नवम्बर तक बिजली आपूर्ति, रखरखाव, जीएसएस तथा महत्वपूर्ण लोड सेंटर्स पर स्टाफ लगाने के निर्देश दे दिए गए हैं।

एनर्जी एक्सचेंज से भी मिल रही पर्याप्त बिजली

राज्य में मांग के अनुरूप बिजली की पर्याप्त उपलब्धता है। दीपावली पर औद्योगिक गतिविधियों तथा कृषि क्षेत्र की मांग में कमी आने के साथ ही एनर्जी एक्सचेंज से फिलहाल पीक लोड के समय भी डिमांड के अनुरूप पर्याप्त बिजली उपलब्ध हो रही है। प्रदेश में 27 अक्टूबर को कुल मांग 3171 लाख यूनिट के सापेक्ष स्वयं के स्त्रोतों तथा अनुबंधित विभिन्न स्त्रोतों से 2853 लाख यूनिट तथा एनर्जी एक्सचेंज से 318 लाख यूनिट बिजली खरीदकर डिमांड के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की गई। अब तक इस दिन बिजली की औसतन अधिकतम मांग 15440 मेगावाट रही है।

इसके अतिरिक्त राज्य में उत्पादन निगम की 23 इकाइयों में से 10 इकाइयों के वार्षिक रखरखाव का काम पूरा कर लिया गया है। लगभग 1070 मेगावाट क्षमता की कोटा थर्मल की दो, सूरतगढ़ थर्मल की एक एवं कालीसिंध थर्मल की एक इकाई अभी मेंटिनेंस पर हैं। शेष इकाइयों का मेंटिनेंस निर्धारित शिड्यूल के अनुसार किया जाना है।

धन्वन्तरि जयंती

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 37 चिकित्सक व कार्मिक सम्मानित

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। धन्वन्तरि जयंती के अवसर पर मंगलवार को हरिशचंद्र माथुर लोक प्रशिक्षण संस्थान में नवम् आयुर्वेद दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 37 चिकित्सक व कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

इस दौरान आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा ने कहा कि आयुर्वेद न केवल रोगों के उपचार में सहायक है, बल्कि समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देता है। उन्होंने आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

देथा ने कहा कि आयुर्वेद भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमारे स्वास्थ्य व कल्याण के लिए एक अनमोल उपहार है। उन्होंने सभी से गाँव के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्ता पूर्ण आयुष चिकित्सा सेवाए उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

अंतर्राष्ट्रीय वैदिक वैलनेस यूनिवर्सिटी, शिकागो (यू.एस.ए.) के कुलपति एवं उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने आयुर्वेद में विश्वस्तरीय नवाचारों एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी विश्वस्तरीय तकनीकों के प्रयोग को समाहित करने की आवश्कता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह प्राचीन पद्धति सदियों से मानव के स्वास्थ्य को संवर्धित करती आई है इसलिए हम सभी को आयुष चिकित्सा में अनुसन्धान, गुणवत्ता और शिक्षा, प्रशिक्षण के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य कर इसे नई ऊचाईयों पर ले जाना होगा।

आयुर्वेद विभाग के उपशासन सचिव सावन कुमार चायल एवं आयुर्वेद निदेशालय अजमेर के निदेशक डॉक्टर आनंद कुमार शर्मा ने स्वस्थ जीवन शैली के लिए सभी से आयुर्वेद को अपनाने का आह्वान किया।

इस उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों को अपना संबोधन दिया और स्वास्थ्य क्षेत्र से सम्बंधित विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया। ऑनलाइन मोड में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी चिकित्सकों व कार्मिकों ने भाग लिया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा हर जरूरतमंद को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। उपमुख्यमंत्री एवं आयुर्वेद योग व प्राकृतिक चिकित्सा मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने अपने वीडियो सन्देश में आयुर्वेद को घर-घर पहुंचा कर इसका समुचित लाभ देने का आह्वान किया। अतिरिक्त निदेशक प्रशासन मेघना चौधरी ने पधारे सभी अधिकारियों चिकित्सकों एवं कार्मिकों का आभार प्रकट कर कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कर्यक्रम में, अतिरिक्त निदेशक जयपुर डॉ. बत्तीलाल बैरवा, विशेषाधिकारी डॉ. श्री राम तिवारी, विशेषाधिकारी प्रो. राजेश भारद्वाज, निदेशक होमियोपैथी एवं यूनानी सहित विभाग के अधिकारी और आयुष चिकित्सक उपस्थित रहें।

बेफिक्र रहिये! न कोई कटेगा और न कोई बटेगा

राकेश अचल

दुनिया जानती है कि संघ जिस की बेल है उससे अमृतफल तो नहीं निकल सकते। संघ के भावी मुखिया दत्तात्रेय होसबाले ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान का समर्थन किया, उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना चाहिए. यह हिंदू एकता और लोक कल्याण के लिए जरूरी है.।

आखिर होसबोले भी वो ही बोले जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले कई महीनों से लगातार बोलते आ रहे हैं। दोनों की बोली और शब्दों का स्वरूप एक ही है। दोनों देश के बहुसंख्यकों को भयभीत कर रहे हैं कि यदि बँटोगे तो कटोगे। दोनों के निशाने पर देश के वे अल्पसंख्यक हैं जिन्हें आरएसएस आजादी के 77 साल बाद भी भारत का नागरिक नहीं मानता। आरएसएस और महंत योगी आदित्यनाथ के बोल एक संप्रभु, विविधवर्णी देश कि जड़ों में मठा डाल रहे हैं। मै उन लोगों में से नहीं हूँ जो आरएसएस को आतांकवादी संगठन मानते हैं। मै आरएसएस को राष्ट्रद्रोह संगठन भी नहीं कहता, लेकिन मेरे मानने और कहने से कुछ नहीं होता क्योंकि आरएसएस जो है वो खुद प्रमाणित कर रहा है, और तब कर रहा है जब इस विशिष्ट देश ने आरएसएस को 99 साल तक अपनी कोख में पाला पोसा है। ये संघ का शताब्दी वर्ष है। देश ने कभी नहीं कहा कि आरएसएस को भारत में नहीं होना चाहिए। लेकिन आरएसएस है जो न सिर्फ खुद बल्कि अपनी दत्तक संतानों से भी यही कहला रही है कि इस देश को कांग्रेस विहीन होना चाहिए।

दुनिया जानती है कि संघ जिस की बेल है उससे अमृतफल तो नहीं निकल सकते। संघ के भावी मुखिया दत्तात्रेय होसबाले ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान का समर्थन किया, उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना चाहिए. यह हिंदू एकता और लोक कल्याण के लिए जरूरी है.। दत्तात्रेय होसबाले अभी आरएसएस के सरकार्यवाह हैं उन्हें सरसंघ चालक बनने से पहले वो सब करना और कहना पडेगा जो न सिर्फ अनिवार्य है बल्कि अपरिहार्य भी है।

दुर्भाग्य की बात ये है कि संघ और संघ का दत्तक पुत्र भाजपा एक विचार है, ऐसा विचार जो न सामयिक है और न आवश्यक। संघ और भाजपा का व्यवहार दुनिया में रूढ़ियों से घिरे तालिबानियों से बहुत कुछ मेल खाता है। संघ देश कि विविधता में यकीन करता ही नहीं है, संघ हिन्दुओं कि श्रेष्ठता में न सिर्फ यकीन करता है बल्कि उसे बहुसंख्यक हिन्दुओं के मन-मस्तिष्क में अंगद के पैर की तरह जमा देना चाहता है। दुर्भाग ये कि संघ को लगभग एक सदी में भी इस योजना में कामयाबी नहीं मिली। मुझे लगता है कि इस अभियान को साकार करने के लिए संघ को सात जन्म तो लेना ही पड़ेंगे।

होसबाले 2021 से सरकार्यवाह के रूप में कार्यरत हैं, वे 2024 से 2027 तक अपने इस पद पर रहने वाले हैं दत्तात्रेय होसबाले और योगी आदित्यनाथ में और कोई समानता हो या न हो लेकिन एक समानता ये है कि ये दोनों यदुवंशी हैं। दोनों अविवाहित हैं और दोनों बाल्य-काल से एक खास तरह की दीक्षा से गुजरे हैं जो कोसों तक भारत की राजनीति से मेल नहीं खाती। होसबोले 56 साल से संघ के साथ हैं और आजीवन रहने वाले हैं। उनका एकमेव लक्ष्य वही है जो 1925 में श्रीमंत केशव वलीराम हेडगवार साहब ने तय किया था। उनका लक्ष्य तो सौ साल में भी पूरा नहीं हुआ लेकिन इस देश को आजाद करने का जो लक्ष्य महात्मा गाँधी ने 81 साल पहले तय किया था वो न सिर्फ फलीभूत हो चुका है बल्कि पल्लि्वत -पुष्पित भी हो रहा है।

जैसा कि मैंने पहले ही कहा कि मै संघ का और समस्त संघमित्रों का बहुत सम्मान करता हूँ। सम्मान इसलिए कि वे बहुत त्यागी होते है। सादगी पसंद होते हैं। उन्होंने सादगी हेडगेवार से नहीं बल्कि शायद महात्मा गाँधी से सीखी है। देश और दुनिया ने गांधी की सादगी को तो अंगीकार कर लिया किन्तु हेडगेवार साहब के हिन्दू राष्ट्र को स्वीकार नहीं किया। यदि किया होता तो ये देश 1947 में ही हिन्दू राष्ट्र बन जाता। हिन्दू राष्ट्र बनकर नेपाल ने देख लिया है। इस्लामिक राष्ट्र बनकर पाकिस्तान ने भी देख लिया है। इन्हें क्या हासिल हुआ ये बताना जरूरी नहीं है। चिंता की बात ये है कि संघ तमाम हकीकत जानते हुए भी हार मानने के लिए तैयार नहीं है।

हमारे बुंदेलखंड में होंस को उत्साह या गर्व कहते हैं और होंस से बोलने वालों को गवीर्ला मना जाता है किन्तु दत्तात्रय जी जो बोल रहे हैं उसमें गर्वोक्ति बिलकुल नहीं है केवल दम्भ है दम्भ। इस दम्भ से देश कि गंगा-जमुनी संस्कृति तबाह हो रही है। संघ और सभी संघमित्र गंगा-जमुनी संस्कृति में यकीन करते ही नहीं हैं। उन्हें लगता है कि संस्कृति मुगलों कि देन है और इसका वसुधैव कुटुंबकम से कोई मेल नहीं है, कोई बराबरी नहीं है। जबकि हकीकत कुछ और है। इस हकीकत को न संघ समझना चाहता है और न हमारी भाजपा। समझे तो आखिर कैसे समझे? उसे तो देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना है।

देश हिन्दू राष्ट्र बने तो मुझे भी क्या आपत्ति हो सकती है लेकिन हमारा तजुर्बा बता रहा है कि अब बहुत देर हो चुकी है। देश जो राष्ट्र बन चुका है उसे अब बिगाड़ा नहीं जा सकता। नया देश बनाने के लिए बहुत लम्बी लड़ाई लड़ना पड़ती है। महात्मा गाँधी के नेतृत्व में देश कि जनता ने ये लड़ाई लड़ी है, लड़ी ही नहीं उसे जीता भी है। इस जीत में संघ का कितना योगदान है ये दुनिया जानती है और संघ भी। अब लगता है कि संघ 1947 से पहले कि गयी अपनी भूल सुधार करने कि कोशिश करना चाहता है। देश को एक बार फिर से नया नाम देना चाहता है। और इसी के लिए बँटोगे तो कटोगे का नारा दिया गया है। महात्मा गाँधी ने देश को करो या मरो का नारा दिया था और होसबोले देश को बँटोगे तो कटोगे का नारा दे रहे हैं।

आपको याद रखना होगा कि महात्मा गाँधी भी राम भक्त थे और संघमित्र दत्तरी होसबोले भी राम भक्त है। पूरा संघ रामभक्त है। पूरी भाजपा रामभक्त है लेकिन पूरा देश रामभक्त नहीं है। राम का सम्मान सब करते हैं। उन्हें देवता भी मानते हैं। मुसलमान भी उन्हें इमामे-हिन्द कहते हैं। यहां राम को मानने वाले भी हैं और न मानने वाले भी, लेकिन सब हैं भारतीय। और ऐसे भारतीय जिनका जन्म दत्तात्रय होसबोले से पहले हुआ था। उन्हें भारतीयता का प्रमाणपत्र न संघ से चाहिए और न होसबोले से। उनका आधारकार्ड ही उनके भारतीय होने का प्रमाण है। और संयोग से ये प्रमाणपत्र संघ कार्यालय से नहीं भारत सरकार के कार्यालय से जारी होता है।

मुझे हैरानी तो ये है कि डॉ मोहन भागवत हों या माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी भी इस हकीकत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं, उलटे बार-बार इस हकीकत को ठुकराना चाहते हैं। इन सभी महनुभवों ने देश कि जनता के एक बड़े वर्ग के मन में भय पैदाकरने कि कोशिश की, लेकिन जब ये कोशिश भी असरकारी साबित नहीं हुई तो सबका साथ, सबका विकास से शुरू होकर अब बँटोगे तो कटोगे तक आ पहुंचे हैं। संघ और भाजपा जबरन हिन्दुओं के ठेकेदार बन गए है। जब संघ और भाजपा नहीं थी तब भी इस देश में हिन्दू थे, हिंदुत्व था।

हमारे संघमित्र शायद नहीं जानते कि भारत पर आर्यों ने, फारसियों ने, अलेक्जेंडर ने सेल्यूकस ने, यवनों ने, हूणों ने, अरबों ने मुगलों ने और अंग्रेजों ने हमला किया, शासन किया लेकिन हिन्दू तब भी थे और आज भी हैं। मै संघमित्रों को यकीन दिलाना चाहता हूँ कि भारत में हिन्दू कल भी रहेंगे और बहुसंख्यक बनकर ही रहेंगे, वे न बंटेंगे और न कोई उन्हें काट पायेगा। ये कोशिश सियासत जरूर करती है, लेकिन सियासत भी हर बार कामयाब नहीं होती। कभी-कभी संघ कि विचारधार को कामयाबी मिलती है। जनता भी संघमित्रों को मौका देती है, लेकिन जब हकीकत समझती है तो अपना फैसला बदल भी लेती है। ये लोकतंत्र की विशेषता है। संघ मित्र आज सत्ता में हैं, कल शायद नहीं होंगे और परसों मुमकिन है कि उन्हें फिर सत्ता में आने का मौका मिले। लेकिन ये तभी मुमकिन है जब कि संघमित्र भारत को जबरदस्ती हिन्दू राष्ट्र ; बनाने कि जिद और कोशिश छोड़ दे।

मुझे संघ कि कोशिशों पर भी यकीन है और जनता पर भी। जनता अंततः जनार्दन है। जनता भी नेताओं कि तरह घाट-घाट का पानी पीती है। जनता ने बीते 77 साल में कांग्रेसियों को भी देखा, समाजवादियों को भी देखा, वामपंथियों को भी देखा, संघियों को भी देख लिया है। जनता जिस दिन चाहेगी कि भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना है उस दिन जनता बना लेगी। जनता को तब न संघ की जरूरत होगी न भाजपा की और न कांग्रेस की। संघ यदि सांस्कृतिक संघठन है तो यही काम ईमानदारी से करे। राजनीति करना छोड़ दे। भाजपा का प्रचार करना छोड़ दे। उसके लिए पसीना बहाना त्याग दे। संघ क्या करे या न करे ये तय करना संघ का अपना काम है।

हमारा काम तो मुर्गे की तरह बांग देने का है। हम भले ही रोज हलाल होते रहें किन्तु बांग देना बंद करने वाले नहीं है। बांग मुर्गा अकेला नहीं देता। मुल्ला भी देता है, पंडित भी देता है, शंकराचार्य जी देते हैं। पॉप और पादरी भी करते है। सेवादार भी देते है। जागरण का दूसरा नाम ही बांग देना है। बांग सुनकर जिन्हें जागना होता है वो जाग जाते हैं और जो जंबोझकर अनसुनी करते हैं उनका भगवान ही मालिक होता है। मुर्गे की बांग सभी के लिए होती ह। उसका हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई से कोई लेना देना नहीं है। जो जगे उसका भी भला और जो न जगे उसका भी भला। मुर्गा सूफी होता है। धर्म निरपेक्ष होता है। उसे जो चाहे काटकर खा सकता है लेकिन मुर्गा कल भी बांग दे रहा था और आज भी अलार्म के जमाने में उसने बांग देना बंद नहीं किया है, हमारी तरह।

संपादकीय

मजबूरी की योजनाएं

भारत सरकार स्पेस सेक्टर में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक हजार करोड़. रुपए खर्च करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की मीटिंग में यह तय हुआ। आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय के 6,798 करोड़.रुपए के दो प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति व निजी क्षेत्र की भागीदारी द्वारा भारत के नेतृत्व को मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है। उत्तर बिहार में रेल विकास के लिए साढ़े चार हजार करोड़. रुपए और आंध्र प्रदेश की

राजधानी अमरावती को रेलवे से जोड़ऩे के लिए करीब सवा दो हजार की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इस तीसरे कार्यकाल के दौरान मोदी सरकार अपने पिछले चुनावी वादों को पूरा करने के प्रति प्रतिबद्ध नजर आना चाहती है। बिहार में 256 कलोमीटर की रेल लाइन का दोहारीकरण किया जाएगा, जिससे नेपाल व पूर्वोत्तर का मार्ग जुड़ऩे से यात्री ट्रेनों के साथ माल-गाड़िय़ों की आवाजाही में सुविधा हो जाएगी। एनड़ीए सरकार बनने बाद से मोदी बिहार और आंध्र को विशेष तवज्जो दे रहे हैं। जेड़ी (यू) व टीड़ीपी को संतुष्ट रखने को केंद्र की मजबूरी के तौर पर देखा जा रहा है। दोनों दलों ने उस वक्त मंत्रालयों की बजाए राज्यों के विकास के लिए विशेष पैकेजों की खास शर्तं रखी थीं। इसलिए इन प्रस्तावों को दिवाली के तोहफे के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि पिछली कैबिनेट बैठक में रेल कर्मचारियों को बोनस व कृषि योजनाओं को मंजूरी दी थी। सरकारी कर्मचारियों के भत्ते व मंहगाई राहत की दरों को बढ़ा कर सरकार ने सबको साधने वाले पुराने नुस्खे को आजमाया है। बैठक में दिवाली व छठ के लिए स्पेशल ट्रेनों सहित तकरीबन सात हजार ट्रेनें चलाने का भी ऐलान किया। इससे त्योहारों में बड़ी संख्या में घर जाने वाले यात्रियों के लिए सुविधा होगी। देश के आर्थिक हालात व सीमित आय के दरम्यान किन्हीं अन्य क्षेत्रों में कटौती कर सरकार अपने इन सहयोगी दलों के बड़े. हो रहे पेट भरने के प्रयास कर रही है, जबकि केंद्र के लिए हर राज्य की जिम्मेदारी समान है, जिसकी अवहेलना करना उसे शोभा नहीं देता।

चिंतन-मनन

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुतः प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई।

सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शाछ्राह में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

वैश्विकी: एशिया में कहीं शांति कहीं युद्ध

डॉ. दिलीप चौबे

इस सप्ताह एशिया में कहीं शांति और कहीं युद्ध का नजारा दिखा। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान जहां एशिया की दो महाशक्तियों भारत और चीन ने सीमा पर तनाव कम करने और संबंधों को पटरी पर लाने का प्रयास किया वहीं पश्चिम एशिया में इस्त्राइल और ईरान के बीच शक्ति परीक्षण जारी रहा। राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जहां रूस को अलगङ्मथलग करने की पश्चिमी देशों की कोशिश नाकाम सिद्ध हुई वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह को बल मिला कि वार्ता और कूटनीति से समस्याओं का समाधान संभव है।

यह दावा कोई नहीं करता कि भारत और चीन के विवाद का स्थाई समाधान हो गया है लेकिन दोनों देश जिस रास्ते पर चल रहे हैं उससे यह आशा बंधती है कि भविष्य में सैन्य संघर्ष की स्थिति नहीं बनेगी। दूसरी ओर पश्चिम एशिया का घटनाक्रम इसके ठीक विपरीत है। दुनिया में इस समय संघर्ष के दो क्षेत्र हैं-यूक्रेन और पश्चिम एशिया। इनमें एक बात समान है। अमेरिका और पश्चिमी देश संघर्ष के इन दोनों क्षेत्र से जुड़े. हुए हैं। यह कहना बेमानी नहीं होगा कि पश्चिमी देशों की गैरङ्मजिम्मेदाराना नीतियों के कारण इन संघषाङ्क के समाधान की बजाय इनका विस्तार हुआ। यूक्रेन संघर्ष का समाधान शुरूआती दौर में ही संभव था लेकिन ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और अन्य नेताओं ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को युद्ध जारी रखने के लिए उकसाया। इन देशों की ओर से यूक्रेन को हथियारों की बड़े पैमाने पर आपूर्ति की गई। अमेरिका का रणनीतिक लक्ष्म था कि रूस को सैनिक ङ्गष्टि से कमजोर किया जाए। साथ ही आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए उसकी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ी जाए। करीब ढाई साल बाद भी अमेरिका इन लक्ष्म को हासिल नहीं कर पाया। आर्थिक और सैनिक दृष्टि से रूस आज पहले से अधिक शक्तिशाली है। दूसरी ओर एक देश के रूप में यूक्रेन का अस्तित्व ही दांव पर है। इस समय यदि कोई शांति पहल होती है तो यह यूक्रेन के लिए घाटे का सौदा होगा। कुछ सीमा तक यह बात पश्चिम एशिया पर भी लागू होती है। पिछले वर्ष इस्त्राइल पर हमास के हमले के बाद यदि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने समस्या के मूल कारणों की पहचान और उनके समाधान की कोशिश की होती तो संघर्ष इतना विकराल रूप नहीं लेता। लेकिन इस्त्राइल के युद्ध पीपासु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फिलीस्तीन को सबक सिखाने पर आमादा थे। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने शांति की बजाय खून-खराबे को प्रोत्साहन दिया। आज के सोशल मीडिया के युग में युद्ध और मानव त्रासदी के समाचार और दृश्य आम आदमी तक पहुंचाते हैं। गाजा में मासूम बच्चों की मौत और खंडहरों के बीच जीवन के लिए जूझ रहे लोगों की तस्वीर दिल दहलाने वाली हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों की मीडिया में इस मानव त्रासदी को आमतौर पर नजरअंदाज किया गया। लेकिन सोशल मीडिया के जरिए जो समाचार और तस्वीरें सामने आई उससे पश्चिमी देशों की छवि पर कलंक लग गया। इन देशों के युवा वर्ग ने पीड़ित मानवता के पक्ष में आवाज बुलंद की। नेताओं ने उनकी आवाज बंद करने की पूरी कोशिश की। अमेरिका के विश्वविद्यालयों में आज इमरजेंसी और सेंसरशिप जैसे हालात हैं।

इस्त्राइल और ईरान के बीच हमला और जवाबी हमले की स्थिति अभी सीमित दायरे में है। शनिवार को इस्त्राइल का हवाई हमला किस सीमा तक कारगर रहा इससे तय होगा कि ईरान का अगला कदम क्या होगा। फिलहाल ईरान ने दो सैनिकों के मरने की पुष्टि की है। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार ईरान के कई सैनिक अड्ड़ों को नुकसान पहुंचा है। अगले कुछ दिनों में यदि नुकसान अधिक साबित होता है तो ईरान एक बार फिर जवाबी कार्रवाई के बारे में सोच सकता है। ईरान के नये राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयन अपेक्षाकृत उदारवादी हैं, लेकिन सेना और रिवोल्यूशनरी गार्ड.की कमान धार्मिक नेता खेमेनई के हाथ में है। पश्चिम एशिया के सुन्नी देशों ने इस बार इस्त्राइल को प्रत्यक्ष रूप से सहयोग नहीं दिया। लेकिन इन देशों में अमेरिका के सैनिक अड्डे. हैं तथा इनका इस्तेमाल इस्त्राइल को मदद देने में हो सकता है। ब्रिक्स समूह के प्रमुख देश भारत, रूस चीन खाड़ी युद्ध की आग में अग्निशमन का काम कर सकते हैं।

मिट्टी के दीये जलाएं, प्रदूषण को दूर भगाएं और परंपरा जीवंत बनाएं

आज की भागती दौड़ती जिन्दगी में लोग अपनी परंपरा को भूलते जा रहे हैं। इसका परिणाम है कि आज देश में पर्यावरण संकट के साथ-साथ कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसके चलते सभी लोग और जीव-जंतु के जीवन पर संकट है।

इस परंपरा में एक दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना भी है। जिसको आज लोग भूलते जा रहे हैं और उसकी जगह पर इलेक्ट्रानिक लाइटों का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन जो सुंदरता मिट्टी के दीये जलने पर दिखती है वह इलेक्ट्रानिक लाइटों के जलने से नहीं। इस बात को स्वयं लोग भी स्वीकार कर रहे हैं और इस परंपरा को लोगों के भूलने पर चिंता भी व्यक्त कर रहे हैं। मिट्टी के दीये जलाना परंपरा के साथ हमारी संस्कृति है। अपनी संस्कृति को कोई कैसे भूल सकता है। इसका सभी लोगों को ध्यान रखना चाहिए। मिट्टी के दीये जलाने के कई लाभ है। जिसका उल्लेख कई जगहों पर देखने और सुनने को मिलता है। इसलिए सभी लोग मिट्टी के दीयें जलाएँ।

दीपावली का त्यौहार मिट्टी के दीये से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। दीया जलाने की परंपरा आदि काल से रही है। भगवान राम की अयोध्या वापसी की खुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाया था, तब से ही कार्तिक महीने में दीपों का यह त्यौहार मनाये जाने की परंपरा रही है। पिछले दो दशक के दौरान कृत्रिम लाइटों का क्रेज बढ़ा है। आधुनिकता की आंधी में हम अपनी पौराणिक परंपरा को छोड़ कर दीपावली पर बिजली की लाइटिंग के साथ तेज ध्वनि वाले पटाखे चलाने लगे हैं। इससे एक तरफ मिट्टी के कारोबार से जुड़े कुम्हारों के घरों में अँधेरा रहने लगा, तो ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलानेवाले पटाखों को अपना कर अपनी सांसों को ही खतरे में डाल दिया। अपनी परंपराओं से दूर होने की वजह से ही कुम्हार समाज अपने पुश्तैनी धंधे से दूर होता जा रहा है। दूसरे रोजगार पर निर्भर होने लगे हैं। एक समय था जब दीपावली पर्व को लेकर लोग मिट्टी के दीये खरीदने के लिए पहले ही कुम्हार को आर्डर कर देते थे। तब गाँव या अन्य किसी गाँव के कुम्हार के घर के सभी सदस्य काम में व्यस्त होते थे। दीपावली पर्व पर कई लोगों के आर्डर को पूरा करने में दिन-रात एक कर मेहनत करते थे। हालांकि उस समय उतनी आमदनी नहीं होती थी, लेकिन कुम्हारों की भी एक रुचि रहती थी कि इस परंपरा को जीवंत रखना है। लेकिन आज लोग मिट्टी के दीये जलाना धीरे-धीरे कम कर दिए हैं, इससे अब कुम्हार भी इसमें रुचि नहीं ले रहे। जिसका नतीजा है कि आज दीपावली पर्व में लोग घर में दो-चार मिट्टी के दीये जला कर सिर्फ.एक परंपरा को किसी तरह निर्वहन कर रहे हैं। ज्यादातर लोग इलेक्ट्रानिक लाइटों, झालर और अन्य लाइटों को जला कर ही दीपावली पर्व में अपने घर को रोशनी से जगमग करने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी अब दीपावली के नाम पर पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। अब हमें पुनः अपनी परंपरा को समझना होगा। हमें मिट्टी के दिये जलाने की परंपरा की पुनः शुरूआत करनी होगी। इससे कीड़े मकोड़े मरते हैं। झालर और लाइट से कीड़े नहीं मरते। हमारी संस्कृति सरसों के तेल के दिये जलाना है, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ खाना और पड़ोसी को भी खिलाना, लोगों को उपहार देना आदि है। लेकिन लोग अब उतने समझदार नहीं हैं इसलिए पटाखे छूटेंगे।

लोग मिट्टी के दीये जलाएँ। इससे प्रदूषण भी नहीं होगा और परंपरा भी जीवंत रहेगी। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना पूर्वजों के द्वारा बनाई गई परंपरा है।

इसे हम सभी लोगों को बरकरार रखना चाहिए। दिवाली में मिट्टी के दीये जलाना हमारी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ने का बहुत ही सुगम साधन है। यह भारतीय संस्कृति में बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। मिट्टी के दीये प्रेम, समरसता और ज्ञान के प्रतीक हैं। सामाजिक व आर्थिक आधार पर भी दीयों की खूबसूरती जगजाहिर है। इस बार दीपावली के दिन मिट्टी के दीये जलाने का संकल्प लेकर संस्कृति का बचाव करना है। सभी लोग मिट्टी के दिये ही जलाएँ। आज की युवा पीढ़ी इलेक्ट्रानिक लाइटों के प्रति अधिक रुचि रख रही है। घरों को सजाने से लेकर दीये जलाने में इलेक्ट्रानिक लाइटों का ही उपयोग कर रही है। जबकि यह सोचना चाहिए कि हमारी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करना युवाओं के कंधे पर ही है। गाँव या किसी शहर में जो कुम्हार है वह आज भी मिट्टी के दीये बनाते हैं। इसमें उन्हें सिर्फ. आमदनी का लालच नहीं होता बल्कि उनमें अपनी संस्कृति और परंपरा को बरकरार रखने का उत्साह होता है। लेकिन लोग इसे भूलते जा रहे हैं।

परंपरा व पर्यावरण के संरक्षण के लिए मिट्टी के दीये जलाना है। इनसे कोई प्रदूषण नहीं होता। कृत्रिम रोशनी आंखों और त्वचा के लिए हानिकारक होती है। मिट्टी के दीये की रोशनी आंखों को आराम पहुँचाती है। मिट्टी के दीये हमारी संस्कृति के एक अहम अंग हैं। दिवाली पर इसे जला कर हम अपनी परंपराओं को याद रखते हैं। मिट्टी के दीये बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करने का भी यह अच्छा मौका है। आइये, इस दीपावली, हम सभी मिलकर मिट्टी के दीये जलाएँ और एक स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण बनाने में अपना योगदान दें। लोगों को इस पर विचार करना चाहिए। वर्तमान में अपनी परंपरा को बरकरार रखने और पर्यावरण बचाने के लिए इस दीपावली मिट्टी की दीये जलाने के प्रति लोगों खास कर बच्चों व युवाओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाएँ।

-प्रियंका सौरभ (लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

इस प्रकार करें मां लक्ष्मी को खुश

धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा पाने से ही हमें सभी सुख और वैभव मिलते हैं। दिपावली के दिन मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का सबसे बेहतर योग होता है। इस समय किये गये इन उपायों से आप मां लक्ष्मी को खुश कर सकते हैं। इससे आप जीवन में धन समृद्धि के साथ ही सभी सुख पा सकते हैं।

दीपावली पांच दिन का पर्व होता है तो इन पांचों दिन कम से कम एक दीप जरूर जलांए। इसके साथ ही लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए पहले एक मुट्ठी चावल रखें फिर उसके उपर दीपक रखें इससे आप पर मां लक्ष्मी की कृपा होगी।

दीपावली के दिन सुबह पूजा के समय पीतल या तांबे के लोटे में शुद्ध जल भर कर,उस में थोड़ी हल्दी डाल कर पूजा में रखें। पूजा के बाद इस जल को पूरे घर में झिड़क दें। इस तरह मां लक्ष्मी की कृपा आप पर सदैव बनी रहेंगी।

दीपावली की रात को पूजा करने के बाद सभी कमरों में शंख बजाना चाहिए इस से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

दीपावली के दिन आप अपनी पत्नी अथवा मां को लाल वस्त्र उपहार में दें मां और पत्नी को पूरा सम्मान दें क्योंकि मां लक्ष्मी भी वहीं कृपा बरसाती हैं जहां घर की लक्ष्मी का सम्मान होता है। दीपावली की रात को कपूर जला कर उसमें शुद्ध रोली डाल दें। फिर उस राख की पुडिया बना कर किसी लाल रूमाल में बांध रख लें। इससे प्रक्रिया को करने से व्यापार में समृद्धि होती है।

भगवान कुबेर को चढ़ती हैं ये 7 चीजें

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार कुबेर को धन-संपत्ति, सुख-समृद्धि देने वाले देवता माना जाता है। धन के देवता कुबेर का उत्तर दिशा में निवास माना गया है। भगवान शिव जी ने कुबेर को 'धनपाल' होने का वरदान दिया था। अत- देवताओं के कोषाध्यक्ष भगवान कुबेर होने के कारण उनका पूजने करते समय उन्हें निम्न चीजें चढ़ाने से जीवन में चल रही पैसों से जुड़ी तमाम समस्याएं दूर होती हैं।

वैसे तो भगवान कुबेर की पूजा हर दिन की जा सकती है, लेकिन धनतेरस या धन त्रयोदशी से दीपावली तक कुबेर पूजा विशेष महत्व माना गया हैं, क्योंकि दीपावली पर्व में माता लक्ष्मी, श्री गणेश, मां सरस्वती, भगवान विष्णु, माता कालका, कुबेर देवा, भगवान धनवंतरि, भगवान श्री कृष्ण और अन्य सभी देवी-देवताओं का पूजन किया जाता है।

कुबेर पूजन के पहले उत्तर दिशा में पीले, हरे, नीले रंगों का उपयोग करके लहर वाली या लहरिया आकार की रंगोली बनाने से कुबेर प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा उनके पूजन में कुबेर यंत्र, चांदी के सिक्के तथा आभूषण रखने से भी कुबेर देव भरपूर सुख-समृद्धि का आशीष देते हैं।

आइए अब जानते हैं कुबेर देव को कौन-कौनसी चीजें चढ़ाई जाती है-

1. धनिया, 2. कमलगट्टा, 3. इत्र, 4. सुपारी, 5. लौंग, 6.इलायची 7. दूर्वा।

इन सबके अलावा जल कलश, सिंदूर, लाल पुष्प, माला, मिठाई, नारियल, चौकी, लाल कपडा, रोली, मोली, पंचामृत, लाल चंदन, हल्दी, गंगाजल, घी का दीया, धूपबत्ती, कर्पूर तथा पंचमेवा आदि।

अत: भगवान कुबेर का पूजन करते समय उन्हें उपरोक्त 7 चीजें अवश्य ही चढ़ाएं तथा उनसे अपार सुख, ऐश्वर्य तथा धनवान होने का वरदान अवश्य लें।

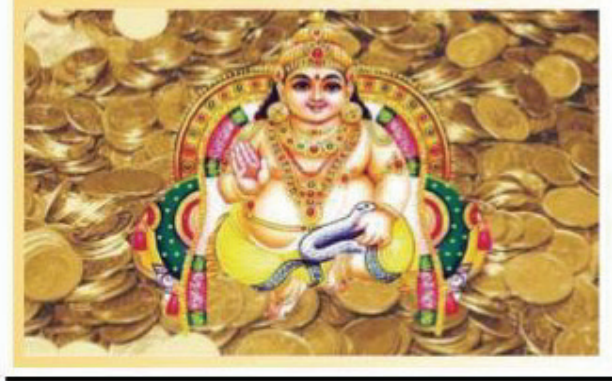

दीवाली पर सुख-समृद्धि के लिए इस प्रकार करें पूजा

दीवाली पर मां लक्ष्मी, सरस्वती एवं गणेशजी की विशेष पूजा विधी से अर्चना कर उनसे सुख-समृद्धि, बुद्धि तथा घर में शांति, तरक्की का वरदान मांगा जाता है।

दीवाली पर मां लक्ष्मी, सरस्वती एवं गणेशजी की पूजा की जाती है। इन दिन इन तीनों देवी-देवताओं की विशेष पूजा-अर्चना कर उनसे सुख-समृद्धि, बुद्धि तथा घर में शांति, तरक्की का वरदान मांगा जाता है। दीवाली पर देवी-देवताओं की पूजा में कुछ विशेष बातों का ध्यान रखा जाता है जो निम्न प्रकार हैं-

दीवाली पूजा हेतु पूजन सामग्री

दीवाली पूजा के सामान की लगभग सभी चीजें घर में ही मिल जाती हैं। कुछ अतिरिक्त चीजों को बाहर से लाया जा सकता है। ये वस्तुएं हैं- लक्ष्मी, सरस्वती व गणेश जी का चित्र या प्रतिमा, रोली, कुमकुम, चावल, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, धूप, कपूर, अगरबत्तियां, मिट्टी तथा तांबे के दीपक, रुई, कलावा (मौलि), नारियल, शहद, दही, गंगाजल, गुड़, धनिया, फल, फूल, जौ, गेहूँ, दूर्वा, चंदन, सिंदूर, घृत, पंचामृत, दूध, मेवे, खील, बताशे, गंगाजल, यज्ञोपवीत (जनेऊ), श्वेत वस्त्र, इत्र, चौकी, कलश, कमल गट्टे की माला, शंख, आसन, थाली, चांदी का सिक्का, देवताओं के प्रसाद हेतु मिष्ठान्न

ये है दीवाली की पूजा विधि

दीवाली की पूजा में सबसे पहले एक चौकी पर सफेद वस्त्र बिछा कर उस पर मां लक्ष्मी, सरस्वती व गणेश जी का चित्र या प्रतिमा को विराजमान करें। इसके बाद हाथ में पूजा के जलपात्र से थोड़ा-सा जल लेकर उसे प्रतिमा के ऊपर निम्न मंत्र पढ़ते हुए छिड़कें। बाद में इसी तरह से स्वयं को तथा अपने पूजा के आसन को भी इसी तरह जल छिड़ककर पवित्र कर लें।

ऊँ अपवित्र: पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपि वा। य: स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स: वाह्याभंतर: शुचि:।।

इसके बाद मां पृथ्वी को प्रणाम करके निम्न मंत्र बोलें तथा उनसे क्षमा प्रार्थना करते हुए अपने आसन पर विराजमान हों

पृथिवि मंत्रस्य मेरुपृष्ठ: ग ऋषि: सुतलं छन्द: कूर्मोदेवता आसने विनियोग:॥

ऊँ पृथ्वी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता। त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरु चासनम्॥ पृथिव्यै नम: आधारशक्तये नम:

इसके बाद ' ऊँ केशवाय नम:, ऊँ नारायणाय नम:, ऊँ माधवाय नम:' कहते हुए गंगाजल का आचमन करें

ध्यान व संकल्प विधि

इस पूरी प्रक्रिया के बाद मन को शांत कर आंखें बंद करें तथा मां को मन ही मन प्रणाम करें। इसके बाद हाथ में जल लेकर पूजा का संकल्प करें। संकल्प के लिए हाथ में अक्षत (चावल), पुष्प और जल ले लीजिए। साथ में एक रूपए (या यथासंभव धन) का सिक्का भी ले लें। इन सब को हाथ में लेकर संकल्प करें कि मैं अमुक व्यक्ति अमुक स्थान व समय पर मां लक्ष्मी, सरस्वती तथा गणेशजी की पूजा करने जा रहा हूं, जिससे मुझे शास्त्रोक्त फल प्राप्त हों।

इसके बाद सबसे पहले भगवान गणेशजी व गौरी का पूजन कीजिए। तत्पश्चात कलश पूजन करें फिर नवग्रहों का पूजन कीजिए। हाथ में अक्षत और पुष्प ले लीजिए और नवग्रह स्तोत्र बोलिए। इसके बाद भगवती षोडश मातृकाओं का पूजन किया जाता है। इन सभी के पूजन के बाद 16 मातृकाओं को गंध, अक्षत व पुष्प प्रदान करते हुए पूजन करें। पूरी प्रक्रिया मौलि लेकर गणपति, माता लक्ष्मी व सरस्वती को अर्पण कर और स्वयं के हाथ पर भी बंधवा लें। अब सभी देवी-देवताओं के तिलक लगाकर स्वयं को भी तिलक लगवाएं। इसके बाद मां महालक्ष्मी की पूजा आरंभ करें।

सबसे पहले भगवान गणेशजी, लक्ष्मीजी का पूजन करें। उनकी प्रतिमा के आगे 7, 11 अथवा 21 दीपक जलाएं तथा मां को श्रृंगार सामग्री अर्पण करें। मां को भोग लगा कर उनकी आरती करें। श्रीसूक्त, लक्ष्मीसूक्त व कनकधारा स्रोत का पाठ करें। इस तरह से आपकी पूजा पूर्ण होती है।

क्षमा-प्रार्थना करें

पूजा पूर्ण होने के बाद मां से जाने-अनजाने हुए सभी भूलों के लिए क्षमा-प्रार्थना करें। उन्हें कहें-

मां न मैं आह्वान करना जानता हूँ, न विसर्जन करना। पूजा-कर्म भी मैं नहीं जानता। हे परमेश्वरि! मुझे क्षमा करो। मन्त्र, क्रिया और भक्ति से रहित जो कुछ पूजा मैंने की है, हे देवि! वह मेरी पूजा सम्पूर्ण हो। यथा-सम्भव प्राप्त उपचार-वस्तुओं से मैंने जो यह पूजन किया है, उससे आप भगवती श्रीलक्ष्मी प्रसन्न हों।

दीपावली की सुबह करें इस खास विधि से पूजन

दिवाली पर मान्यता है कि मां लक्ष्मी धरती पर आती हैं। इस मौके पर आप कुछ खास विधि से पूजन करेंगे तो मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर धन संपदा देगी। सुबह उठते ही मां लक्ष्मी को नमन कर सफेद वस्त्र धारण करें और मां लक्ष्मी के श्री स्वरूप व प्रतिमा के सामने खड़े होकर श्री सूक्त का पाठ करें एवं कमल फूल चढ़ाएं। लक्ष्मी पूजन कर 11 कौड़ियां चढ़ाएं। अगले दिन कौड़ियों को लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखें इससे धन वृद्धि होती है। लक्ष्मी का पूजन कर उन्हें मालपूए या गुलाबजामुन का भोग लगाकर उसे गरीबों में बांटने से चढ़ा हुआ कर्जा उतर जाता है।

साफ-स्वच्छ कपड़े पहनना और उन्हें करीने से संभाल कर रखने से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और देवी लक्ष्मी की कृपा दृष्टि बनी रहती है। घर में साफ-सफाई और रोशनी का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इससे लक्ष्मी आकर्षित होती हैं। इसके विपरित जाले, गंदगी और धूल-मिट्टी फैली हो तो धन की कमी होती है।

हल्दी और चावल पीसकर उसके घोल से घर के मुख्य द्वार पर 'श्रीं' लिखने से लक्ष्मी प्रसन्न होकर धन देती हैं।

गाय के दूध से श्रीयंत्र का अभिषेक करने के बाद, अभिषेक का जल पूरे घर में छिड़क दें और घर में जहां आपका धन पड़ा हो वहां श्रीयंत्र को कमलगट्टे के साथ धन स्थान पर रख दें। इससे धन लाभ होने लगेगा। शंख में वास्तुदोष दूर करने की अद्भुत क्षमता होती है। जहां नियमित शंख का घोष होता है और सुबह और शाम दोनों समय होता है, वहां के आसपास की हवा भी शुद्ध और सकारात्मक हो जाती है और घर की कलह खत्म होती है। मानसिक शांति प्राप्त होती है। जो लोग अपने जीवन व वास्तु में बदलाव चाहते हैं तो रोजाना सुबह-शाम शंख का घोष अवश्य ही करें।

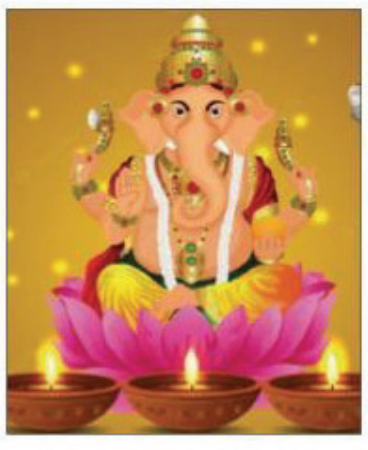

भगवान गणेश का करें पूजन

मां लक्ष्मी ने गौरीपुत्र गणेश को प्रथम पूज्य होने का वर देते हुए यह आशीर्वाद दिया था कि उनकी उपासना से मनुष्य पर लक्ष्मी कृपा भी हमेशा बनी रहेगी। ऐसे में दिवाली पूजन में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा पूरे विधि-विधान से की जाती है। मां का आशीर्वाद सदैव बनाएं रखने के लिए आप भगवान गणेश का पूजन उनको प्रिय मंत्रों से करें।

भगवान गणेश की विधिवत पूजा के मंत्र हैं।

श्री गणेश बीज मंत्र:

ऊँ गं गणपतये नम:॥

भगवान गणपति की पूजा के दौरान इस मंत्र को पढ़ते हुए उन्हें सिंदूर अर्पण करना चाहिए।

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्।
शुभदं कामदं चैव सिन्दूरं प्रतिगृह्यताम्॥

इस मंत्र का जाप करते हुए गौरीपुत्र गणेश को अक्षत(चावल) चढ़ाएं।

दिवाली पर प्रकाश फैलाएं घर में आयेगी लक्ष्मी

हिंदु धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली की तैयारियां जोरों पर हैं। दिवाली के लिए घर के हर कमरे में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करें। कुछ आसान तरीकों से आप उस कमरे को भी जगमग कर सकते हैं जहां कम रौशनी होती है। इससे घर में लक्ष्मी भी आती है।

जिस कमरे में ज्यादा अंधेरा रहता है, जहां तक संभव हो सके तो दीवारों पर हल्के रंग का पेंट करवाएं। हल्के शेड वाले परदे, बेडशीट का इस्तेमाल करें चमक को और बढ़ाने के लिए कमरे में परदे, बेडशीट और कुशन आदि के रंग भी लाइट शेड के रखें।

मिरर फर्नीचर से अंधेरे कमरे में फैलेगी रोशनी

ऐसे कमरे के लिए मिरर फर्नीचर का इस्तेमाल करना चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि इस पर जहां से भी लाइट आएगी, यह और भी अधिक चमकने लगता है और कमरे में रोशनी बढ़ती है।

रिफ्लेक्टिंग फ्लोरिंग है अच्छा विकल्प

अंधेरे वाले कमरे में रिफ्लेक्टिंग फ्लोरिंग भी अच्छा विकल्प है, जिससे कमरे में चमक बढ़ सकती है। इसमें आजकल एलईडी का भी इस्तेमाल होता है।

कमरें में लाइट्स का ऐसे करें इस्तेमाल

इसके बावजूद भी अगर कमरे में प्रकाश नहीं आता तो आप क्रत्रिम रोशनी का इस्तेमाल कर सकते हैं। कमरे में हैंगिंग लाइट्स का प्रयोग भी अंधेरे को दूर कर सकता है। इसके अलावा दीवारों पर लैम्प्स भी लगवाए जा सकते हैं। यदि संभव हो तो कमरे की सीलिंग में लाइटिंग की व्यवस्था कर सकते हैं। आजकल लाइटिंग वाला सीलिंग फैन भी काफी चलन में है।बहरहाल यह जान लें कि आपका घर जितना चमकेगा उतनी ही लक्ष्मी आपके घर आयेगी।

दीपावली के साथ सूर्यग्रहण 8 राशियों के लिए अशुभ, 4 राशियों को धन मिलेगा खूब

24 अक्टूबर को दिवाली और 25 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण है। दोनों ही दिन अमावस्या तिथि रहेगी। सूर्य ग्रहण और अमावस्या का सभी राशियों पर शुभ और अशुभ असर होगा। इस ग्रहण के कारण 5 राशियों को नुकसान झेलना पड़ सकता है और 7 राशियों को इससे फायदा हो सकता है। सूर्य ग्रहण 25 अक्टूबर को शाम 04.29 मिनट पर शुरू होकर शाम 05.42 मिनट पर समाप्त होगा।

8 राशियों के लिए अशुभ है सूर्य ग्रहण 2022

मेष राशि: मेष राशि के जातकों के दांपत्य जीवन में खटपट हो सकती है। स्त्री पीड़ा रहेगी।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के वालों के लिए ग्रहण जनता से युक्त अशुभ है। उन्हें चिन्ता रहेगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों के लिए ग्रहण व्यथा से युक्त है।

कन्या राशि: कन्या राशि के लिए यह ग्रहण नुकसानदायक है। किसी बात की क्षति हो सकती है।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों के लिए यह ग्रहण कष्टों से भरा हो सकता है। कोई घात हो सकता है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों के लिए यह ग्रहण नुकसानदायक है। कोई हानि हो सकती है।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों के लिए यह ग्रहण हानिकारक है। खासकर मान सम्मान को ठेस पहुंच सकती है।

मीन राशि: मीन राशि के जातकों के लिए यह ग्रहण बहुत ज्यादा कष्ट दायक माना गया है।

4 राशियों के लिए शुभ है सूर्य ग्रहण 2022

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातकों के लिए ग्रहण मध्यमस्थ है अर्थात सौख्य यानी सुख रहेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों के लिए यह ग्रहण संयुक्त अर्थात कुछ लाभ वाला भी है।

धनु राशि: धनु राशि वाले लोगों के लिए यह ग्रहण थोड़ा बहुत फायदे वाला है। लाभ हो सकता है।

मकर राशि: मकर राशि के जातकों के लिए यह ग्रहण सुखदायक है।

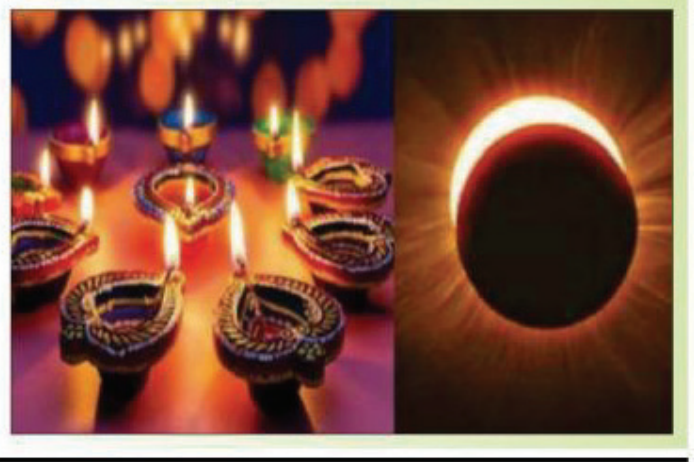

व्हाइट हाउस में दीपावली की धूम | 21 साल पहले जॉर्ज बुश ने की शुरूआत | शामिल नहीं हो सकीं फर्स्ट लेडी जिल

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने 600 लोगों को किया आमंत्रित, कहा- सबसे बड़े दिवाली कार्यक्रम की मेजबानी करना मेरे लिए बड़े ही सम्मान की बात

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के कार्यकाल में सबसे पहले 2003 में व्हाइट हाउस में दिवाली मनाने की परंपरा शुरू हुई। हालांकि, वह कभी निजी तौर पर इसमें शामिल नहीं हुए। साल 2009 में बराक ओबामा ने राष्ट्रपति बनने पर व्हाइट हाउस में निजी तौर पर दिवाली मनाई।

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोमवार रात को व्हाइट हाउस में दिवाली मनाई। इसमें 600 से ज्यादा भारतीय-अमेरिकी शामिल हुए। बाइडेन ने भारतीय-अमेरिकी सांसदों, अधिकारियों और व्यापार से जुड़ी हस्तियों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर बाइडेन ने कहा कि व्हाइट हाउस में अब तक के सबसे बड़े दिवाली कार्यक्रम की मेजबानी करना उनके लिए सम्मान की बात है। हालांकि, इस बार दिवाली समारोह में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन शामिल नहीं हो सकीं। बाइडेन ने कहा कि जिल और कमला यहां आना चाहती थीं, लेकिन वे कैंपेन में व्यस्त हैं।

अमेरिका में 54 लाख भारतवंशी, 48% हिंदू

अमेरिका में 48 लाख लोग भारतवंशी अमेरिकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे के मुताबिक अमेरिका में 54 लाख लोग भारतवंशी हैं। इसमें से 48% हिंदू हैं। यहां 6 राज्यों के 10 जिलों में भारतीय-अमेरिकी लोगों की तादाद 6-18% हैं। कैलिफोर्निया, टेक्सास, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, इलिनोइस में इनकी सबसे ज्यादा आबादी है। बाइडेन प्रशासन में रिकॉर्ड 130 से ज्यादा भारतवंशी अहम पदों पर तैनात हैं।

अमेरिकी जीवन को समृद्ध किया

जो बाइडेन ने कहा कि राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और सीनेटर रहने के दौरान उन्होंने बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी लोगों के साथ काम किया है। बाइडेन ने कहा कि दक्षिण-एशियाई अमेरिकी समुदाय ने अमेरिकी जीवन के हर हिस्से को समृद्ध किया है। यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला समुदाय है। अब दिवाली व्हाइट हाउस में गर्व से मनाई जाती है।

सुनीता विलियम्स ने दीं शुभकामनाएं

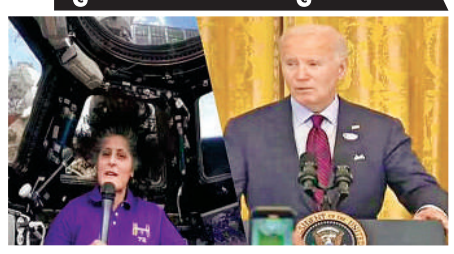

सुनीता विलियम्स ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से व्हाइट हाउस और दुनियाभर में दिवाली मना रहे सभी लोगों को शुभकामनाएं भेजीं। अपने संदेश में सुनीता ने कहा- इस साल मुझे अंतरिक्ष स्टेशन पर पृथ्वी से 400 किमी ऊपर दिवाली मनाने का अनोखा अवसर मिला है।

ओबामा ने मनाई थी दिवाली

राष्ट्रपति बराक ओबामा ने 2009 से जनवरी 2017 तक अपने कार्यकाल के दौरान हर साल व्हाइट हाउस में दिवाली मनाई। यह फोटो साल 2016 का है।

ट्रंप ने भी मनाई थी दिवाली

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2017 से जनवरी 2021 तक अपने कार्यकाल के दौरान हर साल व्हाइट हाउस में दिवाली मनाई। यह फोटो साल 2017 का है।

व्हाइट हाउस में दिवाली मनाने की परंपरा

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के कार्यकाल में सबसे पहले 2003 में व्हाइट हाउस में दिवाली मनाने की परंपरा शुरू हुई। हालांकि, वह कभी निजी तौर पर इसमें शामिल नहीं हुए।

खबर संक्षेप

कश्मीरी पंडितों के घरों में लगी भीषण आग

जम्मू। जम्मू शहर के बाहरी इलाके में मंगलवार को आग लगने से विस्थापित कश्मीरी पंडितों के 12 क्वार्टर जलकर खाक हो गए। आग कथित तौर पर पुरखू कैंप इलाके के एक पुराने क्वार्टर में लगी और तेजी से फैल गई। आग बुझाने के लिए दमकल कर्मियों और उपकरणों को घटनास्थल पर भेजा गया। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन घर का अधिकांश सामान और एक दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गया।

टीका लगाने गई टीमों पर आतंकी हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो का टीका लगाने वाली टीम पर हमले जारी हैं। हमले के दौरान हुई मुठभेड़ में तीन आतंकियों की मौत हो गई। एक अन्य घटना में इसी क्षेत्र में आतंकियों ने पोलियो टीकाकरण लगाने वाली टीम को बंधक बना लिया। यह हमला पाकिस्तान सरकार द्वारा सोमवार को 4.5 करोड़ बच्चों को टीका लगाने के लिए राष्ट्रव्यापी पोलियो अभियान शुरू करने के एक दिन बाद हुआ।

सेना कमांडरों के दो दिवसीय सम्मेलन में सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श

विदेश मंत्री जयशंकर ने भू-राजनीतिक खतरों और अवसरों पर सचेत रहने का किया आग्रह

जयशंकर ने भारत को प्रभावित करने वाली जटिल वैश्विक और भू-राजनीतिक गतिशीलता को रेखांकित किया। उन्होंने सशस्त्र बलों से वर्तमान विश्व व्यवस्था के विरोधाभासों और चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों पर प्रकाश डाला।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेना कमांडरों के सम्मेलन का दूसरा चरण नई दिल्ली में संपन्न हुआ। 28 और 29 अक्टूबर 2024 को आयोजित इस चरण में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने सीमा सुरक्षा और भीतरी इलाकों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण रणनीतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन में 'भारतीय सशस्त्र बलों के लिए विकसित भू-राजनीतिक परिदृश्य और अवसर' विषय पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संबोधित किया। डॉ. जयशंकर ने भारत को प्रभावित करने वाली जटिल वैश्विक और भू-राजनीतिक गतिशीलता को रेखांकित किया। उन्होंने सशस्त्र बलों से देश की अपेक्षाओं और वर्तमान विश्व व्यवस्था के विरोधाभासों और चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों पर प्रकाश डाला, जिससे भारत के रणनीतिक हितों के अनुरूप एक प्रगतिशील, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार बल सुनिश्चित किया जा सके।

भविष्य के लिए मजबूत बल तैयार करें

प्रशासनिक मुद्दों पर गहन चर्चा की

जयशंकर ने भारतीय सेना को सतर्क रहने के लिए सराहना की और वरिष्ठ अधिकारियों से तेजी से विकसित हो रहे भू-राजनीतिक खतरों और अवसरों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। भारत की रणनीतिक स्थिति को आकार देने में तकनीकी प्रगति और चल रहे वैश्विक संघर्षों से सीखे गए सबक के महत्व पर जोर दिया। भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने परिचालन और प्रशासनिक मुद्दों पर गहन चर्चा की।

तकनीकी प्रगति और वैश्विक संघर्षों से सीखें सबक

सैन्य स्टेशनों को पुरस्कृत किया

सम्मेलन का समापन ग्रीन मिलिट्री स्टेशन और एविएशन फ्लाइट सेफ्टी के लिए कई श्रेणियों में सैन्य स्टेशनों को पुरस्कारों के वितरण के साथ हुआ विमानन उड़ान सुरक्षा के क्षेत्र में, 257 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन और 663 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन को उड़ान में सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा ट्रॉफी से सम्मानित किया गया

सक्रिय रहने की आवश्यकता

एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, नौसेना प्रमुख ने भू-राजनीति, प्रौद्योगिकी और रणनीति में तेजी से बदलती गतिशीलता पर चर्चा की। उन्होंने सशस्त्र बलों को इन परिवर्तनों के प्रति सक्रिय और अनुकूलनशील बने रहने की आवश्यकता, खासकर हिंद महासागर और भारत-प्रशांत क्षेत्रों पर जोर दिया। उन्होंने रणनीतिक जलक्षेत्रों में श्रेष्ठ परिचालन की क्षमता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करते हुए, समुद्री चुनौतियों और भूमि संचालन पर उनके व्यापक प्रभावों से निपटने के लिए भारतीय नौसेना की तैयारियों पर प्रकाश डाला।

सभी क्षेत्रों में एकीकरण पर जोर

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने भविष्य के युद्ध और प्रभावी संचालन के लिए संयुक्तता के महत्व और सभी क्षेत्रों में बेहतर एकीकरण की रूपरेखा पर जोर दिया। उन्होंने एकीकरण की दिशा में चरण-दर-चरण दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की, जो क्रॉस-सर्विस सहयोग से शुरू होकर, 'संयुक्त संस्कृति' की ओर आगे बढ़ना और अंततः संयुक्त संचालन के लिए पूर्ण एकीकरण प्राप्त करना है। उन्होंने उभरती चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए परिचालन तत्परता की आवश्यकता को दोहराया। उन्होंने विजन 2047 के ढांचागत आधुनिकीकरण और रणनीतिक स्वायत्तता को महत्वपूर्ण लक्ष्यों के रूप में रेखांकित किया।

एलएसी से सैनिकों की वापसी पूरी

देपसांग और डेमचोक इलाकों से हटीं भारत और चीन की सेनाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय और चीनी सेना के बीच पूर्वी लद्दाख सेक्टर के देपसंग मैदान और डेमचोक इलाकों में सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया मंगलवार को पूरी हो गई है। इस प्रक्रिया में सभी प्रकार के बुनियादी ढांचे को हटाना और दोनों पक्षों द्वारा सैनिकों को पीछे हटाना शामिल है। इसके बाद अस्थायी निर्माण ढांचे को तोड़ने, टेंटों व सैन्य हथियारों को हटाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इन दोनों क्षेत्रों में भारत और चीन अप्रैल 2020 के पहले वाली स्थिति बहाल करने और पेट्रोलिंग शुरू करने के लिए एक समझौते पर पहुंचे हैं। गलवान घाटी समेत चार बफर जोन पर अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है।

दोनों सेनाओं ने हटाए अस्थायी निर्माण

रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी दोनों ही वर्तमान में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास संवेदनशील क्षेत्रों में कर्मियों की वापसी और सैन्य बुनियादी ढांचे को खत्म करने की पुष्टि कर रही हैं। सत्यापन प्रक्रिया दोनों सेनाओं द्वारा संयुक्त रूप से संचालित की जाएगी, जिसमें यह पुष्टि की जाएगी कि शर्तों के अनुसार पदों को खाली कर दिया गया है और प्रतिष्ठानों को हटा दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में, विश्वास के आधार पर काम किया जा रहा है।

अगले कदम पर विचार करेंगे

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने पुणे में एक कार्यक्रम में कहा था कि सैनिकों के पीछे हटने के बाद अब हम अगले कदम पर विचार कर सकेंगे। ऐसा नहीं है कि सब कुछ हल हो गया है।

रोहिंग्याओं के स्कूल दाखिला मामले पर बोला दिल्ली हाई कोर्ट

हम इस मामले पर सुनवाई नहीं कर सकते गृह मंत्रालय ही इस संबंध में फैसला लेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने रोहिंग्या शरणार्थियों के बच्चों को स्थानीय स्कूलों में दाखिला दिलाने की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि यह केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र की बात है। हम इस पर फैसला नहीं दे सकते। चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि यह मामला सुरक्षा और राष्ट्रीयता पर प्रभाव डालने वाले अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से संबंधित है, इसलिए याचिकाकर्ता को केंद्रीय गृह मंत्रालय के समक्ष एक अभ्यावेदन देना चाहिए। याचिकाकर्ता एनजीओ 'सोशल ज्यूरिस्ट' ने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) आधार कार्ड के अभाव में म्यांमार के इन बच्चों को अपने स्कूलों में दाखिला नहीं दे रहे हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि हम इसकी अनुमति नहीं दे सकते।

अगर हिंदू पर लागू तो मुस्लिम पर क्यों नहीं

ट्रिपल तलाक के एक मामले में मद्रास हाई कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी की है। जज ने कहा कि शरीयत काउंसिल एक निजी संस्था है, कोई कोर्ट नहीं है। जज ने कहा कि अगर पहली शादी वैध रहते दूसरी शादी करना हिंदू धर्म में क्रूरता है तो मुस्लिमों में क्यों नहीं माना जाना चाहिए। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच के जस्टिस जीआर स्वामीनाथन ने ट्रिपल तलाक के मामले में यह टिप्पणी की।

चुनाव की वैधता पर भी उठाए थे सवाल

शेख हसीना की पार्टी पर प्रतिबंध की मांग वाली याचिका वापस ली गई

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की राजनीतिक पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका वापस ले ली गई है। सोमवार को भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेताओं सरजिस आलम, हसनत अब्दुल्ला और हसीबुल इस्लाम की तरफ से ये याचिका ढाका उच्च न्यायालय में दायर की गई थी। अब इस याचिका को वापस ले लिया गया है। गौरतलब है कि कथित भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के प्रदर्शनों के चलते ही शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था। याचिका में अवामी लीग समेत 10 अन्य राजनीतिक पार्टियों की गतिविधियों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। ढाका उच्च न्यायालय में दायर एक अन्य याचिका में साल 2014, 2018 और 2024 में हुए आम चुनावों की वैधता पर भी सवाल उठाया गया था। इन चुनाव में शेख हसीना की पार्टी ने जीत हासिल की थी।

इजराइल ने मिस्र का संघर्ष विराम प्रस्ताव ठुकराया

हमास के 100 लड़ाके गिरफ्तार, नसीम कासिम बना हिजबुल्लाह का नया चीफ

एजेंसी ▶▶ येरूशलम

मिस्र की तरफ से पेश किए गए गाजा संघर्ष विराम प्रस्ताव को इजराइल ने ठुकरा दिया। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतेह अल-सीसी ने रविवार को चार इजराइली बंधकों व कुछ फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली के लिए गाजा में दो दिन के संघर्ष विराम का प्रस्ताव देने की बात कही थी। वहीं, पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने शुरुआती युद्ध विराम पर चिंताओं का हवाला देते हुए प्रस्ताव पर मतदान नहीं कराने का निर्णय लिया और रोनेन बार को बेहतर शर्तों पर बातचीत करने के लिए मिस्र वापस भेज दिया। दूसरी तरफ, इजराइल ने हमास के 100 से अधिक लड़ाकों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। आईडीएफ ने सोमवार को बताया, इजराइली सैनिकों ने ये गिरफ्तारियां उत्तरी गाजा के कमाल अद्वान अस्पताल में छापेमारी के दौरान की।

नसरल्लाह की मौत के 32 दिन बाद हुई घोषणा

इजराइली हमले में हसन नसरल्लाह की मौत के 32 दिन बाद हिजबुल्लाह ने नए चीफ की घोषणा की है। डिप्टी लीडर नईम कासिम को मंगलवार को संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई। हिजबुल्लाह की तरफ से जारी किए बयान में कहा गया है कि कासिम को इस पद के लिए चुना है, क्योंकि उन्होंने संगठन के उसूलों का हमेशा पालन किया है। अल्लाह उन्हें अपने मिशन में कामयाब होने का रास्ता दिखाए।

ब्रिक्स के एक और सदस्य का चीन को झटका!

भारत के बाद ब्राजील ने बीआरआई में शामिल होने से किया इनकार

एजेंसी ▶▶ रियो डी जेनेरियो

ब्राजील ने चीन को बड़ा झटका देते हुए उसके महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट बीआरआई (बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव) में शामिल होने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही भारत के बाद ब्राजील ब्रिक्स संगठन का दूसरा देश बन गया है, जिसने चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेष सलाहकार सेल्सो एमोरिम ने कहा कि ब्राजील, चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव में शामिल नहीं होगा और इसके बजाए वैकल्पिक रास्तों की तलाश करेगा।

चीन के मंसूबों पर फिरा पानी

सेल्सो एमोरिम ने कहा कि ब्राजील, चीन के साथ अपने संबंधों को नए स्तर पर ले जाना चाहता है, लेकिन बिना किसी अनुबंध पर हस्ताक्ष किए। ब्राजील का यह ऐलान चीन की कम्युनिस्ट सरकार के लिए बड़ा झटका है। खासकर तब जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 20 नवंबर को ब्राजील का आधिकारिक दौरा करने वाले हैं। ब्राजील ने प्रोजेक्ट से ही बाहर रहकर चीन के मंसूबों पर पानी फेर दिया है।

भारत ने फिलिस्तीन के लोगों को भेजी दवाएं

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को फिलिस्तीन को 30 टन मानवीय सहायता भेजी। यह फिलिस्तीन के लोगों के लिए भारत की तरफ से मेडिकल दवाएं, आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं और एंटी-कैंसर दवाएं ले जाने वाली दूसरी खेप है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करते हुए, भारत ने आवश्यक जीवन रक्षक और कैंसर रोधी दवाओं सहित 30 टन चिकित्सा आपूर्ति भेजी है।

इसरो चीफ एस. सोमनाथ का बड़ा बयान

धरती पर आ चुके हैं एलियन, हमसे टेक्नोलॉजी में बहुत आगे

उनके स्तर की प्रगति हमारी क्षमता से परे, वे हमसे एक हजार साल आगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने हाल ही में एक पोडकास्ट में बड़ा बयान दिया। इस पोडकास्ट में उन्होंने एलियन सभ्यताओं की मौजूदगी पर चर्चा की। सोमनाथ ने कहा कि ब्रह्मांड में निश्चित तौर पर एलियंस मौजूद हैं और हो सकता है कि उनकी सभ्यताएं तरह-तरह के विकास कर चुकी हों। उनका यह बयान एलियन जीवन को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच आया है। उन्होंने कहा कि एलियन उन्हें बहुत ज्यादा रोमांचित करते हैं।

शायद हमें देख भी रही हों या आस-पास उपस्थित भी हों

हमारी तरह ब्रह्मांड में अन्य सभ्यताओं ने भी प्रगति की

संभवतः वे हमें सुन रहे होंगे

सोमनाथ ने कहा कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि एलियन हमारी धरती पर विजिट कर चुके हैं। लेकिन मेरे पास इसका कोई सबूत नहीं है। एलियन मौजूद हैं। अगर वे हमसे टेक्नोलॉजी में आगे हैं तो वे तुम्हारे पॉडकास्ट को सुन रहे होंगे। मानवता के तकनीकी विकास पर ध्यान दिलाते हुए कहा कि सिर्फ सौ साल पहले की बात है जब हमारी तकनीकी क्षमताएं बेहद सीमित थीं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमारी सभ्यता ने पिछले कुछ वर्षों में तकनीकी तौर पर प्रगति की है, उसी तरह से ब्रह्मांड में अन्य सभ्यताएं भी अलग-अलग चरणों में हो सकती हैं। कल्पना कीजिए कि कहीं एक सभ्यता ऐसी है जो आपसे 200 साल पीछे है, और कहीं दूसरी सभ्यता है जो आपसे 1,000 साल आगे है। विकास और प्रगति के विभिन्न स्तरों पर हो सकने वाली एलियन सभ्यताएं अपने-अपने चरणों में ब्रह्मांड में मौजूद हो सकती हैं। सोमनाथ ने कहा कि अत्यधिक एडवांस एलियन सभ्यताएं शायद हमें देख भी रही हों या हमारे आस-पास उपस्थित भी हों, परंतु उनके स्तर की प्रगति हमारे वर्तमान विज्ञान और तकनीकी क्षमता से परे हो सकती है।

E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com

प्रशांत लेकर आ रहे देश की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म 'महाकाली'

मुंबई। सुपरहिट फिल्म 'हनुमान' बनाने के बाद अब डायरेक्टर प्रशांत वर्मा देश की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म बनाने जा रहा हैं, जिसका नाम 'महाकाली' होगा। यह प्रशांत सिनेमैटिक यूनिवर्स की तीसरी फिल्म होगी। इसकी कहानी और स्क्रीनप्ले दोनों ही प्रशांत वर्मा लिखेंगे। वहीं इसे पूजा अपर्णा कोल्लुरु डायरेक्ट करेंगी। 'महाकाली' में बंगाल के कल्चर पर आधारित होगी और इसमें कुछ मॉडर्न एलिमेंट्स को भी शामिल किया जाएगा। इसे तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में IMAX 3D फॉर्मेट में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में महाकाली का किरदार कौन निभाएगा, यह फिलहाल रिवील नहीं किया गया है। हालांकि, फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर देख फैंस के रोंगटे खड़े हो गए हैं।

लाइफ Style

जान्हवी

'पेद्दाम्मा' रेखा की स्वीकृति रखती है मायने

एजेंसी ▶▶| मुंबई

रेखा और श्रीदेवी दोनों ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की आइकॉनिक स्टार रही हैं। दोनों ने ही देश भर में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता और प्रसिद्धि हासिल की। हाल ही में एक साक्षात्कार में, जान्हवी कपूर ने खुलासा किया कि उनकी मां श्रीदेवी और अभिनेत्री रेखा दोनों ही एक-दूसरे की सोल सिस्टर हैं। दोनों का रिश्ता बेहद खास रहा है।

वह दोनों अक्सर तेलुगु में बातें किया करती थीं ताकि बच्चे उनकी बातों को ना समझें। श्रीदेवी के निधन के बाद रेखा, जान्हवी का मार्गदर्शन कर रही हैं। इसलिए, धड़क अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि वह अब अपने काम के संबंध में मार्गदर्शन के लिए रेखा से सलाह लेती हैं। रेखा भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, जान्हवी कपूर ने इस बारे में जानकारी साझा की कि कैसे रेखा ने उनके जीवन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। जान्हवी ने अपनी मां श्रीदेवी के शोबिज में आने के सफर को याद करते हुए कहा कि वह और रेखा एक बहन की तरह रिश्ता साझा करती थीं। इस बारे में बात करते हुए जान्हवी ने कहा, "जब मां पहली बार हिंदी फिल्मों में शामिल हुईं और खुद को बहुत खोया हुआ महसूस कर रही थीं, तो पेद्दाम्मा ने उन्हें अपने संरक्षण में लिया और वे बहुत लंबे समय तक दोस्त रहीं। जान्हवी ने आगे कहा, मैं लगभग 14 साल की रही होंगी, जब रेखा दोपहर के भोजन के लिए मेरे घर आई थीं और मैंने उनका स्वागत किया था। उन्होंने कहा कि आपको मुझे पेद्दम्मा कहना चाहिए। तेलुगु में, इसका मतलब बड़ी अम्मा है।

हॉलीवुड मसाला

क्रिस्टोफर फिर ला रहे हैं एक बड़ी फिल्म

लांस एंजिलिस। क्रिस्टोफर नोलन अपनी ऑस्कर विनर ब्लॉकबस्टर फिल्म 'ओपेनहाइमर' के बाद नई फिल्म के लिए यूनिवर्सल के साथ हाथ मिला रहे है। क्रिस्टोफर नोलन अपनी पिछली डायरेक्टोरियल फिल्म 'ओपेनहाइमर' की शानदार सफलता के बाद अपने नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गए हैं। इस नए प्रोजेक्ट के लिए नोलन एक बार फिर हॉलीवुड स्टूडियो यूनिवर्सल के साथ-साथ एक्टर मैट डेमन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

टेलर स्विफ्ट बनीं दुनिया की सबसे अमीर म्यूजिशयिन

लांस एंजिलिस। टेलर स्विफ्ट, जिनके गानों का हर कोई दीवाना है। वह अब ऑफिशियली दुनिया की सबसे अमीर महिला संगीतकार बन चुकी हैं। उनकी कुल नेट वर्थ करीब 1.6 बिलियन डॉलर बताई जा रही है। सिंगर ने उन्होंने पॉप स्टार रिहाना को भी इस मामले में पीछे छोड़ दिया है, जिनकी नेट वर्थ 1.6 बिलियन डॉलर है। और इस बात की पुष्टि खुद फोर्ब्स ने की है। फोर्ब्स के मुताबिक, स्विफ्ट की संपत्ति का 600 मिलियन डॉलर **Tour** इनकम और रॉयल्टी से आता है। वहीं, 600 मिलियन डॉलर उनके म्यूजिक एल्बम के कॉस्ट से, और 125 मिलियन डॉलर रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट से आता है। ऐसा कहा जाता है कि टेलर स्विफ्ट ने 2023 में अकेले स्पॉटिफाई स्ट्रीमिंग से 100 मिलियन डॉलर की रॉयल्टी हासिल की है, जो उन्हें उनके 2022 के एल्बम 'मिडनाइट्स' और 2023 में 1989 के एल्बम के कारण मिली।

काजोल ने पैपराजी को दिखाई उंगली

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने हर साल की तरह इस बार भी दुर्गा पूजा पंडाल लगाया है। वो पिछले कई सालों से जुहू में मां दुर्गा पूजा पंडाल लगा रही हैं। इस पंडाल में काजोल के परिवार वालों के अलावा बॉलीवुड के तमाम स्टार्स मां दुर्गा के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में दुर्गा पूजा पंडाल से एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद लोग काजोल को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इस वीडियो में काजोल पैपराजी से उंगली दिखाकर और चुटकी बजाकर गुस्से में बात करती नजर आ रही हैं। दरअसल, पैपराजी जूता पहनकर मां दुर्गा के पंडाल में पहुंचते हैं। पैप्स मां की प्रतिमा के बेहद करीब होते हैं। ये देखकर काजोल को काफी गुस्सा आता है और वो खुद पर कंट्रोल नहीं कर पाती हैं। इस दौरान काजोल के पास आलिया भट्ट और उनकी बहन शाहीन भट्ट भी नजर आ रही हैं।

टल गई गेम चेंजर की रिलीज डेट...

मुंबई। तेलुगु सुपरस्टार राम चरण अभिनीत एक्शन थ्रिलर फिल्म गेम चेंजर का इंतजार लोगों को लंबे समय से है। हाल के दिनों में रिलीज हुए इसके गाने दर्शकों पर अपना जादू चलाने में कामयाब हुए हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की रिलीज डेट को कथित तौर पर टाल दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अब संक्रांति 2025 पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मीडिया रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो गेम चेंजर अब 10 जनवरी, 2025 को संक्रांति उत्सव सप्ताह के दौरान रिलीज होगी। वहीं, अमेरिका में इस फिल्म का प्रीमियर 9 जनवरी को होगा। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा निर्मित फिल्म गेम चेंजर राम चरण के साथ निर्देशक शंकर की पहली फिल्म है।

टीवी मसाला

दुनिया का सबसे बड़ा फैशन इवेंट मेट गाला 5 मई को

लांस एंजिलिस। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फैशन इवेंट 'मेट गाला' पर सबकी नजरें टिकी रहती हैं। इस फैशन इवेंट में बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियां भी शामिल होती हैं। अब तक प्रियंका चोपड़ा से लेकर दीपिका पादुकोण रेड कार्पेट पर जलवा दिखा चुकी हैं। अब मेट गाला 2025 को लेकर भी जानकारी सामने आ गई है। मेट गाला 2025 अगले साल 5 मई को न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में शानदार वापसी करने के लिए तैयार है। 2025 मेट गाला का थीम 'सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल' है, जो Black dandyism की अवधारणा को दर्शाता है। ये थीम मोनिका एल मिलर की 2009 की किताब 'स्लेव्स टू फैशनः ब्लैक डैंडीज्म एंड द स्टाइलिंग ऑफ ब्लैक डायस्पोरिक आइडेंटिटी' से प्रेरित है।

वरुण और सामंधा के फैंस के लिए खुशखबरी

मुंबई। वरुण धवन और सामंधा रुथ प्रभु के फैंस के लिए खुशखबरी है, जो उनकी आगामी सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन दोनों के मुख्य भूमिकाओं वाली सीरीज सिटाडेलः हनी बन्नी में दोनों कलाकार जासूस के रूप में नजर आने वाले हैं। अब इस सीरीज के ट्रेलर रिलीज डेट पर से पर्दा उठ गया है। निर्माताओं ने ट्रेलर की रिलीज डेट की जानकारी साझा करते हुए एक मजेदार क्रॉस ओवर दिखाया है, जिसमें द फैमिली मैन से श्रीकांत और जेके नजर आ रहे हैं। हनी बनी के ट्रेलर की तारीख की घोषणा की गई है। इस घोषणा वीडियो में फैमिली मैन से मनोज बाजपेयी और शारिब हाशमी की जासूसी जोड़ी नजर आई है। वीडियो में श्रीकांत, जेके को सामंथा रूथ प्रभु और वरुण धवन के किरदार हनी और बनी की फाइल दिखाते हुए बताते हैं कि वे 90 के दशक की एक टीम हैं और पेजर का इस्तेमाल करते हैं। श्रीकांत कहते हैं कि हनी और बनी उनकी जोड़ी से ज्यादा खतरनाक नहीं हैं।

रजनीकांत को मिली 2024 की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग

मुंबई। सुपरस्टार रजनीकांत और महानायक अमिताभ बच्चन की 'वेट्टैयन' को बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत मिली है। हालांकि, इस फिल्म को कोई धमाकेदार ओपनिंग नहीं मिली है, लेकिन फिल्म की थीम और जॉनर को देखते हुए यह मजबूत स्थिति में जरूर है। इतना ही नहीं, थलपति विजय की GOAT के बाद यह 2024 में कॉलीवुड की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म भी बनी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'वेट्टैयन' ने पहले दिन देश में 31.70 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। इसमें से तमिल में सबसे अधकि 27.75 करोड़ रुपये की कमाई हुई है, जो विशुद्ध रूप से रजनीकांत के स्टारडम की बदौलत है। 'वेट्टैयन' ने ओपनिंग डे पर वर्ल्डवाइड 67.00 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। इसमें से विदेशों में 30 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई हुई है। ओपनिंग डे पर बंपर कमाई नहीं होने का कारण दशहरा भी है। गुरुवार को सप्तमी-अष्टमी की पूजा थी, इस कारण दर्शकों की व्यस्तता उधर भी थी। हालांकि, 300 करोड़ के बजट में बनी 'वेट्टैयन' के लिए जरूरी है कि वह अपनी रफ्तार बढ़ाए।

नयनतारा ने पति संग साझा की रोमांटिक तस्वीरें

मुंबई। अभिनेत्री नयतारा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पति संग कुछ रोमेंटिक तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में नयनतारा काफी खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों को देखकर प्रशंसकों की भी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। नयनतारा ने पति के साथ अपनी 10 तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। नयनतारा लाल साड़ी में और लाल सिंदूर से भरी मांग के साथ बेहद खूबसूरत लग रही हैं। बालों में जूड़े पर लगा गजरा और गोल्डन झुमके उनके लुक को और भी प्यारा बना रहे हैं। नयनतारा अपने पति के साथ रोमेंटिक फोटो शूट करवाती नजर आ रही हैं। नयनतारा के पति इन फोटोज में नीले कुर्ते और बेज धोती पैंट में नजर आ रहे हैं। तस्वीरें काफी रोमेंटिक हैं, जिसमें नयनतारा और विग्नेश एक दूसरे को प्यार से निहारते नजर आ रहे हैं। नयनतारा और विग्नेश के प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनकी जोड़ी को 'परफेक्ट कपल' बताया है। एक प्रशंसक ने कहा, आपकी जोड़ी बहुत खूबसूरत है और अपनी कैमेस्ट्री भी उतनी ही खूबसूरत है। एक अन्य ने कहा, आप दोनों साथ में बहुत क्यूट लगते हैं।

रामलीला में कोई राम-सीता तो कोई बना भालू

मुंबई। रामलीला हमेशा से भारतीय संस्कृति और परंपरा का अहम हिस्सा रही हैं। नवरात्र और दशहरा जैसे त्यौहारों को रामलीला का मंचन ही परिपूर्ण बनाता है। एक तरफ अगर ये सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर देती है, तो दूसरी तरफ कलाकारों को एक्टिंग का मंच। यहां जाने-माने कलाकार न केवल अपनी रामलीला की यादों को ताजा कर रहे है, बल्कि यह भी बता रहे हैं कि बचपन में उन्होंने रामलीला के किन किरदारों से अपनी एक्टिंग की झलक दिखाई थी।

मां की साड़ी पहन कर बना सीता मैया: रवि किशन

एक अरसे से लोग अयोध्या में होने वाली रामलीला में मुझे सुग्रीव या केवट के किरदारों के जरिए बहुत प्यार देते रहे हैं, मगर मैं आपको बता दूं कि बचपन में वो सीता मैया का ही रोल था, जिसके कारण मैंने अपने पिता की बहुत मार खाई है। मैं उस वक्त नौ-दस साल का रहा होऊंगा, जब मैंने रामलीला में पहली बार भाग लिया था। बात है, जौनपुर की। उस वक्त मैं काफी दुबला-पतला हुआ करता था और बहुत ही सुंदर सीता मैया बना करता था।

रोम रोम में प्रकाशित होने वाली चेतना हैं राम

हम लोग तो रामलीला करते हुए ही पले-बढ़े हैं। यही वजह है कि मैंने रामराज्य नामक किताब भी लिखी। मेरे लिए राम का अर्थ है, रोम-रोम में प्रकाशित होने वाली चेतना। मगर इसी के साथ मुझे खुशी है कि मुझे 'हमारे राम' नाटक में रावण बनने का अवसर प्राप्त हुआ है और यह नाटक बहुत सराहा जा रहा है। मगर जब मैं छोटा था, तब मुझे रावण का चरित्र निभाने का अवसर नहीं मिला कभी। मैं वानर,अंगद, मेघनाद सब कुछ बन चुका हूं। मगर रावण अब जाकर बना। मैं समझता हूं कि आज मैं रावण का चरित्र निभा रहा हूं, तो आज मैं राम और रावण के मर्म को समझ पाया हूं।

रामलीला में भालू बन चुका हूं: विनीत

मैं गाजीपुर बनारस के जिस इलाके से हूं, वो अपनी तमाम रामलीलाओं के लिए मशहूर है। बचपन में गाजीपुर में हमारे गांव में लालटेन लेकर हमें राम कथा सुनाई जाती थी। हम लोग भी अपने बाबा के साथ बैठते थे। मैं ये कैसे भूल सकता हूं कि जब मैं छोटा था, तब एक बार स्कूल की रामलीला में मुझे भालू बनने का मौका मिला था और मैं फूला नहीं समा रहा था।

बार-बार सीता बनने का मौका

ऋषिकेश की होने के नाते रामलीला का अपना महत्व रहा है। बचपन में रामलीला देखना और रामायण का पाठ हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग रहा। मगर कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि भविष्य में जाकर इसका हिस्सा बनूंगी। 2021 में पहली बार मुझे दिल्ली की प्रतिष्ठित लवकुश रामलीला में सीता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके लिए मैं कमिटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी, जो उन्होंने मुझे इस देवी के पात्र के लिए चुना।' 'ये भी कम उल्लेखनीय नहीं है कि रामलीला में 2021 के बाद इस साल भी मैं सीता के रूप में हूं, मगर इससे भी दिलचस्प बात ये है कि 2022 में 'महाभारत' फेम पुनीत इस्सर ने 'रामायण' पर एक ब्रॉडवे शो जय श्री राम रामायण बनाया और उसमें भी सीता मैं ही बनी। मैं सीता को त्याग, समर्पण, धैर्य और पवित्रता की प्रतीक मानती हूं।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान
08
भीलवाड़ा

बुधवार,30,अक्टूबर, 2024

भाजपा गठबंधन के 4, कांग्रेस गठबंधन के 11 प्रत्याशियों की घोषणा पर अब भी किंतु-परंतु

महाराष्ट्र चुनाव: नामांकन की समय सीमा खत्म होने के बाद भी थम नहीं रही सियासी खींचातानी

▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में गठबंधन की गांठें दोनों तरफ खुलने का नाम नहीं ले रहीं। लगभग दर्जन भर सीटों पर भाजपा, शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राकांपा के बीच कितनी किसको, इस पर फार्मूला नहीं तय होने से सभी ने अपने अपने उम्मीदवारों को फार्म भरने को कह दिया। हालात ये हो गए कि अजित पवार के खास माने जाने वाले पूर्व मंत्री नवाब मलिक ने मनखुड विधानसभा से दो फार्म भर दिए हैं एक निर्दलीय की हैसियत से दूसरी अजित पवार की राकांपा के प्रत्याशी के बतौर। जबकि भाजपा नेतृत्व भ्रष्टाचार के उनके केस की वजह से गठबंधन का उम्मीदवार नहीं बनाने की हिदायत अजित पवार को दी थी।

अंतिम दिन तक गठबंधनों में प्रत्याशी अब तक 'साफ' नहीं

खींचातानी में हालात ये हो गए कि चुनाव के लिए नामांकन की समय सीमा खत्म होने के बाद भी प्रत्याशी कई सीटों पर दोनों गठबंधनों के अब तक क्लियर नहीं हैं। भाजपा, राकांपा, शिंदे शिवसेना की महायुति अब तक 4 सीटों पर प्रत्याशी की घोषणा नहीं कर पायी है। वहीं कांग्रेस, उद्धव की शिवसेना और शरद पवार की राकांपा के हिस्से 11 सीटों पर औपचारिक घोषणा बाकी है। अभी तक भाजपा ने 152, अजित पवार की राकांपा से 52, शिंदे की शिवसेना के 80 प्रत्याशियों की घोषणा 288 की विधानसभा चुनाव के लिए कर दी गई है। जब कि कांग्रेस की ओर से 103, उद्धव की शिवसेना की ओर से 87 और शरद पवार की राकांपा ने 87 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है।

शरद पवार ने ये भी साफ कर दिया कि 87 का आंकड़ा उनकी तरफ से अंतिम है। जाहिर है अब जो फैसला शेष 11 सीटों के लिए होना है वो उद्धव की शिवसेना और कांग्रेस के बीच होना है। इसमें सबसे बड़ा पेंच ये है कि कुछ सीटें सपा को देना है या नहीं? उप्र में सभी 9 सीटों पर हो रहे उपचुनावों में कांग्रेस पार्टी ने एक भी प्रत्याशी नहीं उतारे जब कि प्रदेश कांग्रेस की तरफ से 5 सीटों की तैयारी थी। उसी की एवज में शीर्ष कांग्रेस का नेतृत्व सपा प्रमुख अखिलेश यादव से महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस को साथ देने की मांग परदे के पीछे कर रहे हैं।

दिल्ली तक कांग्रेस में असंतोष के हालात

सीट शेयरिंग को लेकर महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक कांग्रेस पार्टी में असंतोष की स्थिति है। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी भी इस बात से नाराज है कि साथी दलों के साथ कांग्रेस पार्टी उचित टिकट की हिस्सेदारी हासिल नहीं कर सकी। यही बात मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड ने खुलेआम कहा। उन्होंने कहा, मुंबई की 36 सीटों में से कांग्रेस पार्टी लोकसभा में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर 18 सीटों की मांग रखी थी मगर शिवसेना के दबाव में 10 सीटों पर ही हामी भर दी, जो कतई उचित नहीं। जब कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना का कहना है कि मुंबई की 6 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस ने प्रत्याशी उतारे थे जिसमें 2 पर विजय हासिल हुई उस के हिसाब से 10 विधानसभा सीटों की हिस्सेदारी पर्याप्त दी गइर है।
हरियाणा के बाद महाराष्ट्र जीतने की उम्मीद पाले विपक्षी दलों ने पूरी ताकत झोंकी हुई लेकिन कार्यकर्ताओं और नेताओं में टिकट बंटवारे से उत्पन्न हुई असमंजस की स्थिति से मायूसी छायी हुई है। विपक्षी गठबंधन से बहुत बेहतर ढंग से टिकट बंटवारे के मुद्दे पर आपसी खींचतान को नियंत्रित करने में भाजपा का शीर्ष नेतृत्व सफल रहा है।

खबर संक्षेप

प्रतापगढ़ में पटरी से उतरे ट्रेन के तीन डिब्बे

प्रतापगढ़। मां बेला देवी रेलवे स्टेशन के जेल रोड क्रॉसिंग पर रविवार सुबह एक पैसेंजर ट्रेन के

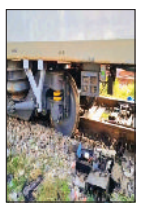

तीन डिब्बे शंटिंग के दौरान पटरी से उतर गए, जिससे स्टेशन पर हड़कंप मच गया। घटना के समय ट्रेन के सभी डिब्बे खाली थे, लेकिन रेलवे सुरक्षा और यात्री सुविधा को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। मामले की जांच शुरू कर दी है।

शाह के खिलाफ टीएमसी पहुंची चुनाव आयोग

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा दिए बयानों से टीएमसी ने केंद्रीय मंत्री

पर चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन करने का गंभीर आरोप लगाया है। अध्यक्ष सुब्रत बक्शी ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी को एक पत्र भेजकर इस मुद्दे की जानकारी दी है। शाह ने अध्यक्ष ममता बेनर्जी के खिलाफ टिप्पणियां की थीं।

अहमदाबाद से केशोद के लिए सीधी उड़ान

अहमदाबाद। गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अहमदाबाद से

जूनागढ़ जिले के केशोद के बीच सीधी उड़ान सेवा की शुरुआत हुई। श्री सोमनाथ ट्रस्ट ने तीर्थयात्रियों और भक्तों के लिए केशोद हवाई अड्डे से सोमनाथ मंदिर तक निःशुल्क पिकअप बस सेवा भी शुरू की है।

दिल्ली में चुनाव से पहले आप नेता ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक और बड़े मुस्लिम चेहरे अब्दुल रहमान ने इस्तीफे का

ऐलान कर दिया है। उन्होंने आप के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी से भी अलग होने का संकेत दे दिया है। इसे चुनाव से पहले राजनीतिक दबाव के तौर पर देखा जा रहा है।

पीएम ने बंगाल के उत्तर 24 परगना में नई सुविधाएं शुरू की

मोदी ने बंगाल को दी कई सौगातें

उत्तर 24 परगना में कार्डियक कैथ लैब और जन औषधि केंद्र को किया समर्पित

एम्स-कल्याणी के अधिकारियों ने बताया कि कार्डियक कैथ लैब में हृदय के कक्षों, धमनियों और अन्य भागों को देखने के लिए इमेजिंग उपकरण लगे हैं, जबकि नई कार्डियोपल्मोनरी बाईपास (सीपीबी) मशीन हृदय और फेफड़ों के कार्यों को अस्थायी रूप से संभाल सकती है, जो सर्जरी के दौरान सहायक होती है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित एम्स-कल्याणी में कई नई सुविधाओं का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इन सुविधाओं में कार्डियक कैथ लैब और एक जन औषधि केंद्र शामिल है।

एम्स-कल्याणी के अधिकारियों ने बताया कि कार्डियक कैथ लैब में हृदय के कक्षों, धमनियों और अन्य भागों को देखने के लिए इमेजिंग उपकरण लगे हैं, जबकि नई कार्डियोपल्मोनरी बाईपास (सीपीबी) मशीन हृदय और फेफड़ों के कार्यों को अस्थायी रूप से संभाल सकती है, जो सर्जरी के दौरान सहायक होती है। मोदी ने इस मौके पर एक प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का भी उद्घाटन किया, जो सस्ती जेनरिक दवाओं की बिक्री के लिए समर्पित है।

अब यहां के लोगों को सस्ती जेनरिक दवाओं की सुविधा भी मिलेगी

वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया

यहां सभी रोगों का होगा इलाज

इस कार्यक्रम में भाजपा सांसद जगन्नाथ सरकार, शमिक भट्टाचार्य और अन्य पार्टी नेता एम्स-कल्याणी परिसर में उपस्थित थे। एम्स-कल्याणी में क्लीनिकल सेवाएं 27 जनवरी 2021 को आठ प्रमुख विभागों में आउटपेशेंट सेवा से शुरू हुई थी और 16 दिसंबर 2021 से यहां डे-केयर यूनिट में मरीजों को भर्ती किया जाने लगा। अब यहां लगभग सभी रोगों के मरीजों का इलाज किया जाता है।

धनतेरस पर बेरोजगारों को भी दी सौगात

रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

पीएम मोदी ने मंगलवार को धनतेरस के मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने धनतेरस की बधाई देते हुए कहा कि रोजगार मेले में 51 हजार नौजवानों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंप कर हर्ष की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र बिना खर्चा पानी युवाओं को मिल रहीं नौकरियां प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को भारत सरकार में स्थायी सरकारी नौकरी देने का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। अभी-अभी हरियाणा में तो नई सरकार बनते ही 26 हजार युवाओं को नौकरी का उपहार मिला है। इन दिनों हरियाणा में उत्सव का माहौल है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में हमारी सरकार की विशेष पहचान है। वहां की सरकार नौकरी देती तो है लेकिन बिना खर्ची-बिना पर्ची के।

कई पीढ़ियां गुजरीं, आखिर आ गया वह दिन

उन्होंने कहा कि दो दिन बाद हम सभी दीपावली का पर्व भी मनाएंगे। इस साल की दीपावली बहुत खास और विशेष है। 500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम अयोध्या के अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं और उस भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद ये पहली दीपावली है। इस दीपावली की प्रतीक्षा में कई पीढ़ियां गुजर गईं, लाखों लोगों ने बलिदान दिए, यातनाएं झेली। हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं, जो ऐसी विशेष, खास और भव्य दीपावली के साक्षी बनेंगे।

रन फॉर यूनिटी में बोले गृहमंत्री शाह

सरदार के योगदान को नहीं मिली थी तवज्जो व सम्मान

केंद्रीय गृह मंत्री ने दौड़ को हरी झंडी दिखाई इशारों में कांग्रेस को आड़े हाथ लिया कांग्रेस सरकार को खरी-खरी सुनाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का जिक्र करते हुए एक ऐसा बयान दिया जो विपक्ष को चुभ सकता है।

शाह ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के देश के प्रति महान योगदान को मिटाने और कम करके दिखाने के प्रयास किए गए तथा उन्हें लंबे समय तक भारत रत्न से वंचित रखा गया। भाजपा नेता ने पटेल की जयंती से पहले 'रन फॉर यूनिटी' दौड़ को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि यह देश के प्रथम गृह मंत्री की दूरदर्शिता तथा सूझबूझ के कारण ही संभव हो सका कि 550 से ज्यादा रियासतों का भारत संघ में विलय हुआ और देश एकजुट हुआ।

निधन के 41 साल बाद भारत रत्न से सम्मानित हुए

पीएम ने 2018 में गुजरात के केवड़िया में पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का उद्घाटन किया था। उन्होंने 2013 में गुजरात का सीएम रहते हुए इस प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी। शाह ने कहा कि पटेल के दृष्टिकोण, विचारों और हर क्षेत्र में संदेश को पीएम ने मूर्त रूप दिया है। पटेल को 1950 में उनके निधन के 41 साल बाद 1991 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के पीएम मोदी के सपने को पूरा करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया है।

550 रियासतों का भारत संघ में विलय हुआ

गृहमंत्री शाह ने कहा कि यह देश के प्रथम गृह मंत्री की दूरदर्शिता तथा सूझबूझ के कारण ही संभव हो सका कि 550 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय हुआ और देश एकीकृत हुआ। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के प्रयासों से ही लक्षद्वीप, जूनागढ़, हैदराबाद और अन्य सभी रियासतों का भारत में विलय हुआ। सरदार पटेल को 1950 में उनके निधन के 41 वर्ष बाद 1991 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान- भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हर क्षेत्र में सरदार साहब के दृष्टिकोण, विचार व संदेश को मूर्त रूप देने का काम किया।

शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में झारखंड और छत्तीसगढ़ में कार्रवाई

ईडी का बड़ा एक्शन, आईएएस चौबे समेत अफसरों के 15 ठिकानों पर की छापेमारी

▶▶ रांची/रायपुर

प्रवर्तन निदेशालय के झारखंड कार्यालय द्वारा धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत हाल में एक आपराधिक मामला दर्ज किए जाने के बाद रांची और रायपुर में 15 परिसरों पर छापे मारे गए। छापेमारी के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के दलों ने प्रवर्तन निदेशालय के दलों को सुरक्षा प्रदान की। ईडी ने छत्तीसगढ़ पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा रायपुर में सात सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी का संज्ञान लिया, जिसमें चौबे, छत्तीसगढ़ के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, रायपुर के महापौर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) अधिकारी एवं छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी और चार अन्य के नाम शामिल हैं। ईडी अफसरों ने बताया कि झारखंड काडर के 1999 बैच के आईएएस अधिकारी एवं वर्तमान में झारखंड पंचायती राज विभाग के सचिव चौबे, राज्य के आबकारी विभाग के संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह, शराब व्यापारियों और संबंधित व्यक्तियों के परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

निविदा की शर्तों में हेरफेर

प्राथमिकी के मुताबिक चौबे और गजेंद्र सिंह के संरक्षण में शराब आपूर्ति के लिए निविदा आवंटित करने के लिए ढेबर और उसके 'सिंडिकेट' की प्लेसमेंट एजेंसियों ने निविदा की शर्तों में 'हेरफेर' किया। शराब थोक लाइसेंस देने के लिए अनिवार्य पात्रता शर्तों में दो लगातार वित्तीय वर्षों के लिए न्यूनतम 100 करोड़ रुपए का टर्नओवर होने की शर्त पेश की। ईडी ने छत्तीसगढ़ शराब 'घोटाले' से जुड़े धनशोधन मामले में टुटेजा, ढेबर, त्रिपाठी और कुछ अन्य को गिरफ्तार किया है। झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा।

तैयार रहिए, जनगणना वाले आएंगे तो पूछेंगे 30 सवाल

नई दिल्ली। भारत सरकार ने जनगणना कराने की पूरी तैयारी कर ली है। अगले साल से जनगणना शुरू होगी और यह प्रक्रिया एक साल में पूरी होगी। 2026 में ही इसके आंकड़े सार्वजनिक कर दिए जाएंगे। इसमें 30 सवाल जनगणना में पूछे जाएंगे। इससे पहले 2011 में 29 सवाल पूछे गए थे।यह जनगणना 2021 में ही शुरू होनी थी, लेकिन कोरोना के चलते फिर लोकसभा चुनाव आए तो थोड़ी और देरी हो गई। यह जनगणना बेहद अहम है क्योंकि इसके आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा की सीटों का परिसीमन होगा। बीते 50 सालों से लोकसभा सीटों का परिसीमन रुका हुआ है। 2029 में सीटें बढ़ेंगी और महिला आरक्षण भी लागू होना है। जाति जनगणना को लेकर चुप्पी है, लेकिन सर्वे में लोगों से उनके संप्रदाय के बारे में पूछा जाएगा।

'दीपोत्सव' का आगाज

अयोध्या। मंगलवार को अयोध्या में 'दीपोत्सव' के रिहर्सल के दौरान प्रतिभागी।

स्वात्वाधिकारीः प्रकाशक एवं मुदकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com